RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 बदल रहे हैं महिला किरदार ...

वर्ष : 27 | अंक : 239 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 18 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

द्वारका में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली सोमवार को एक बार फिर बम धमकी से सहम गई। द्वारका क्षेत्र के दो स्कूलों और एक कॉलेज को ईमेल के जरिए उड़ाने की चेतावनी दी गई, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं। पुलिस, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने तलाशी अभियान चलाया, हालांकि अब तक कुछ संदिग्ध नहीं मिला।

जानकारी के अनुसार, सुबह लगभग 7 बजकर 24 मिनट पर फायर विभाग को धमकी भरे ईमेल की खबर मिली, जिसके बाद राजधानी की सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। बीते कुछ दिनों से लगातार इस तरह की धमकियां मिल रही हैं, जिससे अभिभावकों और छात्रों के बीच बेचैनी और भय का माहौल गहराता जा रहा है। यह कोई पहला मामला नहीं है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

...फिर विधायक पंकज सिंह चले गाँव की ओर!

रायपुर,बख्तावरपुर तथा अट्टा में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने आज फिर गांव की ओर रूख कर दिया। इस अभियान की पहले चरण में हुए आज सुबह विधायक पंकज सिंह रायपुर गांव पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। उन्होंने वहां मौजूद नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को समस्याओं के बाबत बताया तथा उनसे कहा कि वह निर्धारित समय पर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर दें ।

इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, जल तथा सीवर, उद्यान एवं विद्युत यांत्रिकी व सिविल से संबंधित कई समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। विधायक ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याएं निर्धारित समय पर पूरी कर दी जाएगी। इसके बाद विधायक बख्तावरपुर गांव की ओर रवाना हो गए।

इस मौके पर भाजपा के महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, डिंपल आनंद, अमित त्यागी, करतार चौहान, ओमवीर अवाना, भूपेश चौधरी, अशोक मिश्रा, मनोज चौहान, राम मेहर कौशिक, लोकेश कश्यप, प्रदीप चौहान, वीरेंद्र अवाना, रवि अवाना, अतुल त्यागी, राजेश अवाना, वीरेंद्र बिल्लू, धर्मपाल चौहान, नीरज चौहान, अतुल त्यागी के अलावा नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (सिविल) अशोक कुमार अरोड़ा, उद्यान विभाग के निदेशक आनंद मोहन, सिविल विभाग के उपमहा प्रबंधक विजय रावल, जूनियर इंजीनियर सूरज त्यागी समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

एसआईआर को लेकर लोकसभा में हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज लोकसभा में विपक्षी दलों ने एसआईआर को लेकर जमकर हंगामा किया। हंगामें के मददेनजर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने 12 बजे के बाद लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी।

दोपहर 12 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के साथ विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया। इस दौरान सरकार की तरफ से एक विधेयक पेश किया गया।

वहीं पीठासीन स्पीकर ने विपक्ष के न शांत होने की स्थिति में सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस महासिव अभिषेक बनर्जी समेत अन्य सहित इंडिया एलायंस के सांसदों ने चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने भाजपा और भारत के चुनाव आयोग के खिलाफ 'वोट चोरी' के आरोप लगाए।

लोकसभा की कार्यवाही भी 12 बजे तक स्थगित कर दी गई है। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सांसद नारेबाजी करते रहे और कुछ सांसद वेल तक आ गए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों को समझाने की कोशिश की और ये चेतावनी भी दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मारपीट में महिला समेत दो नामजद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख में एक महिला ने मारपीट का आरोप में पड़ोस में रहने वाली महिला व उसके चाचा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

करण एनक्लेव चिपियाना में रहने वाली रानी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 3 नवंबर 2024 को अपने घर से स्कूटी लेकर भाई दूज की मिठाई लेने जा रही थी जैसे ही उसने अपने घर के आगे से स्कूटी ट्रेन की को पड़ोस में रहने वाली मीना ने उसे रोका और मारपीट शुरू कर दी। मारपीट की वजह से वह स्कूटी से नीचे गिर गई इस दौरान मीना का चाचा कर्मवीर सिंह भी मौके पर आ गया और उसने गाली गलौज करते हुए उसे अपशब्द कहे।

विभिन्न सड़क हादसों में 4 लोगों की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बेलगाम लापरवाह वाहन चालक लगातार हादसे का सबब बन रहे हैं। वाहन चालकों की लापरवाही से आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है। जनपद में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

थाना दादरी क्षेत्र में तेज गति में आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। जनपद सुल्तानपुर निवासी अंकित कुमार बिहार निवासी विमलेश शाह के साथ नई बस्ती दादरी के कंपनी में काम करते थे। 17 अगस्त को दोनों अपनी ड्यूटी खत्म कर अपने साथी राकेश कुमार सिंह की बाइक से अपने घर के लिए जा रहे थे। चिटहेड़ा गांव के पास तेज गति में आ रहे ट्रक का चालक संतुलन को बैठा और उसने युवकों की बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में अंकित कुमार और विमलेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए उपचार के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे थाना दादरी पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के निठारी गांव में रहने वाले सुनील कुमार अपनी स्कूटी से जा रहे थे। मंगल बाजार की में रोड पर तेज गति में आ रही टाटा टियागो कर के चालक ने सुनील कुमार की स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सुनील कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें लेकिन निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी मौत हो गई। इस संबंध में मृतक के रिश्तेदार आकाश कुमार ने टियागो कार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना कर मृत्यु करने का आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए कार नंबर के आधार पर आरोपी चालक की पहचान का प्रयास कर रही है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पतंजलि मेगा स्टोर से 60 हजार की नगदी चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। होशियापुर गांव स्थित पतंजलि मेगा स्टोर से चोरों ने 60 हजार रुपए की नगदी चोरी कर ली। पीड़ित दुकानदार ने थाना सेक्टर 49 में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

गुलाबी बाग दिल्ली के रहने वाले अरविंद कुमार गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके होशियारपुर स्थित शर्मा मार्केट में पतंजलि मेगा स्टोर है 12 अगस्त की सुबह 5:00 बजे अज्ञात चोर ने दुकान का ताला तोड़कर गल्ले से 60 हजार रुपए निकाल लिए। सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे तो उन्हें ताला टूटा हुआ वह नगदी गायब मिली। (शेष पृष्ठ-3 पर)

साइकिल यात्रा से पूर्व सपाई हुए नजरबंद

नोएडा (चेतना मंच)। चुनाव आयोग के विरोध में नोएडा से दिल्ली तक साइकिल यात्रा निकालने से पूर्व ही पुलिस ने कार्यकर्ताओं को सपा कार्यालय पर नजर बंद कर लिया। खबर लिखे जाने तक सपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने कार्यालय से बाहर नहीं जाने दिया।

समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ता आज सुबह सेक्टर-52 कंचनजंगा मार्केट स्थित (शेष पृष्ठ-3 पर)

ढाई वर्ष की बच्ची लापता

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान से एक ढाई साल की बच्ची व किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है।

जनपद पटना बिहार निवासी सुनील कुमार महतो जेपी वेस्ट टाउन में मजदूरी का काम करता है। वह समिति के बेसमेंट में अपने परिवार सहित रह रहा है। सुनील कुमार के मुताबिक उसके ढाई साल की बेटी 17 अगस्त की शाम को माल की सीढ़ियों पर खेल रही थी। इस दौरान वह खेलते खेलते आगे की तरफ चली गई। इसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। सुनील कुमार महतो की शिकायत पर थाना सेक्टर-126 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

वहीं थाना सेक्टर-20 क्षेत्र में परिजनों के साथ अट्टा मार्केट में कपड़े खरीदने गई एक किशोरी लापता हो गई। मामूरा गांव में किराए पर रहने वाले योगेश (काल्पनिक नाम) ने थाना सेक्टर-20 में दर्ज कराई की फोटो बताया कि उसकी पत्नी व भतीजी 16 अगस्त को (शेष पृष्ठ-3 पर)

अवैध पिस्टल के बदमाश दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 पुलिस में अवैध पिस्तौल के साथ घूम रहे एक बदमाश को गिरफ्तार किया है बदमाश के पास से एक 32 बोर की पिस्टल में कारतूस बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम अगस्त पर थी। एफ एन जी पुस्ता रोड पर पुलिस को देखकर एक युवक मुड़ कर भागने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस कर्मियों ने पीछा कर उसे भारत हॉस्पिटल के पास दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्तौल व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम देवांश यादव उर्फ हनी पुत्र रजनीश यादव निवासी धर्म टावर सर्फाबाद बताया। पकड़ा गया देवांश यादव मूल रूप से जनपद मैनपुरी का रहने वाला है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

उद्योग विहार में गिरा पेड़, दो स्कूटी छतिग्रस्त

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-82 स्थित उद्योग विहार LIG फ्लैट्स में एक बड़ा हादसा टल गया। सोसाइटी में लगे एक पुराने पेड़ का अचानक गिरना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। घटना के समय पास में छोटे बच्चे खेल रहे थे और पेड़ सीधा दो स्कूटी पर जाकर गिरा। स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन सौभाग्यवश किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सोसाइटी में लंबे समय से पेड़ों की छंटाई नहीं हो रही थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मेट्रो स्टेशन पर मोबाइल निकाला

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर चोरों ने एक व्यक्ति की जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कानपुर निवासी फिरोज ने बताया कि वह 16 अगस्त को कश्मीरी गेट दिल्ली जाने के लिए सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर पहुंचा। उसने यहां से दिल्ली जाने के लिए मेट्रो ट्रेन पकड़ी रेलवे स्टेशन पर ही किसी अध्यक्ष चोर ने उसकी जेब से उसका मोबाइल फोन निकाल लिया । (शेष पृष्ठ-3 पर)

पीईएफआई के हाथों से छिना क्रिकेट स्टेडियम संचालन का जिम्मा

नोएडा (चेतना मंच)। अभी तक नोएडा क्रिकेट स्टेडियम के रखरखाव तथा संचालन की जिम्मेदारी निभा रहे फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) के हाथों से संचालन पूरी तरह छिन गया है। हालांकि प्राधिकरण ने कई आरोप लगाकर पहले ही कंपनी का अनुबंध निरस्त कर दिया है। अब इलाहाबाद हाइ कोर्ट ने फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की उस याचिका को खारिज कर दिया। जिसमें नोएडा प्राधिकरण ने कंपनी से 15 साल तक क्रिकेट स्टेडियम के रखरखाव और संचालन का एग्रीमेंट किया था। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की खंडपीठ ने 11 अगस्त को दिए गए अपने आदेश में कहा कि इस रिट याचिका में कोई दम नहीं है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत किसी भी हस्तक्षेप का औचित्य साबित करती हो।

स्टेडियम का एग्रीमेंट नोएडा

प्राधिकरण द्वारा सितंबर 2021 में पीईएफआई के साथ किया गया। ये एग्रीमेंट 15 साल की अवधि के लिए दिया गया था। यह एक राजस्व-साझाकरण मॉडल पर आधारित था। जिसके तहत संचालक को 1 लाख रुपये या राजस्व का 30त्न जो भी अधिक होगा देना था। विवाद तब शुरू हुआ जब नोएडा प्राधिकरण ने खराब रखरखाव और उपेक्षा का आरोप लगाते हुए 25 जुलाई 2024 को पीईएफआई को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

नोटिस में रखरखाव कार्य में देरी और स्टेडियम के संचालन में गंभीरता की कमी का हवाला दिया गया था। 24 अक्टूबर को प्राधिकरण के उप महाप्रबंधक ने अनुबंध समाप्त कर दिया और एजेंसी को बकाया राशि का भुगतान करने और कब्जा सौंपने का निर्देश दिया। पीईएफआई ने इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी और 11 दिसंबर को न्यायालय ने अनुबंध समाप्ति को रद्द कर दिया, क्योंकि पीईएफआई का 27 अगस्त का उत्तर जोकि 28 अगस्त को प्राधिकरण के पास पहुंच गया था, पर विचार नहीं किया गया था।

हालांकि, न्यायालय ने प्राधिकरण को उत्तर पर विचार करने के बाद एक नया आदेश पारित करने का विकल्प खुला छोड़ दिया। उस निर्देश के अनुपालन में पीईएफआई ने 7 मार्च 2025 को एक और विस्तृत उत्तर दाखिल किया। हालांकि, प्राधिकरण ने 27 मई को एक नया आदेश जारी कर (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेक्टर-94 से 150 तक बनेगी एलिवेटेड रोड!

लोनिवि ने शासन व नोएडा प्राधिकरण को भेजा प्रस्ताव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में यमुना पुश्ते पर एलिवेटेड रोड बनाने की योजना को जल्द रफ्तार मिलने की उम्मीद है। यह एलिवेटेड रोड नोएडा में सेक्टर-94 गोलचक्कर के पास से सेक्टर-150 तक बननी है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसके निर्माण के लिए शासन और नोएडा प्राधिकरण को प्रस्ताव दिया है। इसके साथ ही सिंचाई विभाग से एनओसी लेने की प्रक्रिया भी तेज हो गई है।

सड़क को ग्रेटर नोएडा की ओर इसको सेक्टर-150 के पास नोएडा-ग्रेटर नोएडा एवं यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। छह लेन की इस सड़क के निर्माण पर करीब चार हजार करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान है। इसके बनने से नोएडा और ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर जाम में कमी आएगी। यह पुश्ता सिंचाई विभाग का हिस्सा है। यमुना

बांध रोड के समानांतर इसको बनाया जाएगा। पुश्ते के एक तरफ हजारों की संख्या में अवैध रूप से फार्म हाउस बने हुए हैं, जबकि दूसरी तरफ सेक्टर, सोसाइटी व गांव लगे हुए हैं। इन दिनों पुश्ते पर सड़क में जगह-जगह गड्ढे हो रखे हैं। ऐसे में यहां कोई भी निर्माण शुरू करने से पहले सिंचाई विभाग से अनुमति लेनी होगी। अब पुश्ते पर एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए प्रदेश सरकार का लोक निर्माण विभाग आगे आया है। लोक निर्माण विभाग ने शासन व नोएडा प्राधिकरण को प्रस्ताव देकर इसको बनाने की इच्छा जताई है। विभाग के प्रस्ताव पर शासन ने मंथन शुरू कर दिया है। इस बारे में नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके अरोड़ा ने बताया कि लोक निर्माण विभाग एलिवेटेड रोड बनाने के लिए आगे आया है। इस प्रस्ताव पर शासन को फैसला लेना है। उन्होंने बताया कि सिंचाई विभाग से एनओसी लेने की प्रक्रिया आगे बढ़ी है।

हिमाचल प्रदेश में बदलाव जरूरी!

हर आकाश पे तालीम के निशां, जिसने खोजे उसे वहीं मिले। प्रसन्नता का विषय यह कि राज्य सरकार शिक्षा में घटती छात्रों की तादाद और शिक्षण संस्थानों की घुट रही आवाज को लेकर चिंतित है। हमें नए दौर का हिमाचल चाहिए, तो नए रास्ते और नए इरादे भी चाहिए। शिमला में शिक्षा का नवजागरण करती हुई बैठक ने अगर यह ख्वाब लिया कि आइंदा कुछ विशिष्ट महाविद्यालय चाहिए, तो इस कारवां को गति मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विज्ञान, कला और खेलों पर आधारित स्पेशल कालेजों की रूपरेखा को अंजाम तक पहुंचाने की इच्छा जाहिर की है। हिमाचल में सरकारी भवनों की कमी नहीं, बस उनमें गुणवत्ता का प्रवेश बाकी रह गया है। न केवल कालेज बल्कि मेडिकल व अन्य संस्थानों का भी गुणवत्ता के लिहाज से स्थापन व मूल्यांकन होना चाहिए। बिलासपुर में मत्स्य विभाग का निदेशालय स्थित है, तो क्या विभागीय तौर पर हिमाचल में मछली की मांग पर कभी सर्वेक्षण हुआ। क्या विभाग ने मत्स्य आखेट के प्रतिबंधित महीनों के दौरान आपूर्ति का कोई विकल्प स्थापित किया। ऐसे में हमारा मानना है और हम इन्हीं कालमों में कहते रहे हैं कि पौंग डैम के किनारे स्थापित किए गए नगरोटा सूरियां कालेज को स्टेट कालेज ऑफ फिशरीज स्टडी बना देना चाहिए। इतना ही नहीं इस कालेज को प्रवासी पक्षी अध्ययन केंद्र तथा वाटर स्पोर्ट्स सेंटर के रूप में हर सुविधा और फैकल्टी प्रदान की जाए, तो पौंग बांध से जुड़ी पर्यटन आर्थिकी में भी विकास होगा। सरकार ने बीड-बिलिंग में पैराग्लाइडिंग स्कूल बनाया, लेकिन बेहतर होता इसे बैजनाथ या जोगिंद्रनगर के कालेज के स्पोर्ट्स विंग के रूप में विकसित किया जाता। धर्मशाला तथा बिलासपुर में भारतीय खेल प्राधिकरण के दो स्पोर्ट्स हॉस्टल अपनी उपलब्धियों के जनक बने, तो इस एहसास को शिक्षा के साथ जिंदा रखने के लिए यहां के सरकारी स्कूलों तथा कालेजों में खेल विंग स्थापित करके एक खास पाठ्यक्रम के तहत खिलाड़ियों की उपाधियां सुनिश्चित की जा सकती हैं। हमारा मानना और यह वक्त की जरूरत है कि राज्य अपने मौजूदा ढांचे के तहत नई ऊर्जा व गुणवत्ता का संचार करने के लिए पूरी पद्धति बदल दें। मसलन हमीरपुर के कालेज को स्नातकोत्तर के विभिन्न विषयों में उलझाने के बजाय स्टेट कालेज ऑफ डिफेंस स्टडीज बना कर इसके साथ डिफेंस सर्विसिज में प्रवेश के लिए अकादमी भी शुरू की जाए, तो यहां से शिक्षा का ताल्लुक सैन्य, अर्द्ध सैन्य व पुलिस सेवाओं में प्रवेश के लिए होगा। नादौन के अमतर क्रिकेट स्टेडियम को अगर नेशनल कालेज ऑफ क्रिकेट के दर्जे के साथ जोड़ दिया जाए, तो राष्ट्र की प्रतिभा हिमाचल की मिट्टी पर पलने लगेगी। हमें चंबा के एक हजार वर्ष के इतिहास को सहेजते हुए पर्वतीय कलाओं, धरोहर व वास्तु शास्त्र पर केंद्रित ऑर्ट एंड आर्टिटेक्चरल संस्थान स्थापित करना चाहिए। इसी तर्ज पर प्रदेश के दस-बारह कालेजों को स्टेट कालेज का दर्जा देते हुए इनके परिसरों को डिग्री, स्नातकोत्तर तक ही नहीं अनुसंधान तक के विजन तक पहुंचाना चाहिए। दरअसल शिक्षण संस्थानों को विजन के संस्थान बनाने की जरूरत है। इसी तरह क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को आधुनिक मेडिसन के साथ-साथ अन्य पद्धतियों के साथ सुसज्जित करते हुए किसी न किसी रोग विशेष का राज्य स्तरीय दर्जा देना चाहिए। उदाहरण के लिए अगर ऊना के अस्पताल को राज्य स्तरीय हड्डी रोग अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान का दर्जा दें, तो सोचिए वहां हिमाचली डाक्टरी के मानदंड क्या होंगे। प्रदेश में ही लोग विशेष रोगों के लिए पड़ोसी राज्यों के बजाय हिमाचल के भीतर ऐसे स्पेशल अस्पतालों की गुणवत्ता के हिसाब से जाना पसंद करेंगे।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि श्री रामचन्द्रजी की बहुत ही सरल (भोली) और सुंदर (मनभावनी) बाललीलाओं का सरस्वती, शेषजी, शिवजी और वेदों ने गान किया है। जिनका मन इन लीलाओं में अनुरक्त नहीं हुआ, विधाता ने उन मनुष्यों को वंचित कर दिया (नितांत भाग्यहीन बनाया)॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

भए कुमार जबहिं सब भ्राता। दीन्ह जनेऊ गुरु पितु माता॥

गुरगृहँ गए पढ़न रघुराई। अलप काल बिद्या सब आई॥

ज्यों ठुही सब भाई कुमारावस्था के हुए, त्यों ही गुरु, पिता और माता ने उनका यज्ञोपवीत संस्कार कर दिया। श्री रघुनाथजी (भाइयों सहित) गुरु के घर में विद्या पढ़ने गए और थोड़े ही समय में उनको सब विद्याएँ आ गईं॥

जाकी सहज स्वास श्रुति चारी। सो हरि पढ़ यह कौतुक भारी॥

बिद्या बिनय निपुन गुन सीला। खेलहिंखेल सकल नृपलीला॥

चारों वेद जिनके स्वाभाविक श्वास हैं, वे भगवान पढ़ें, यह बड़ा कौतुक (अचरज) है। चारों भाई विद्या, विनय, गुण और शील में (बड़े) निपुण हैं और सब राजाओं की लीलाओं के ही खेल खेलते हैं॥

करतल बान धनुष अति सोहा। देखत रूप चराचर मोहा॥

जिन्ह बीथिन्ह बिहरहिं सब भाई। थकित होहिं सब लोग लुगाई॥

हाथों में बाण और धनुष बहुत ही शोभा देते हैं। रूप देखते ही चराचर (जड़-चेतन) मोहित हो जाते हैं। वे सब भाई जिन गलियों में खेलते (हुए निकलते) हैं, उन गलियों के सभी स्त्री-पुरुष उनको देखकर स्नेह से शिथिल हो जाते हैं अथवा ठिठककर रह जाते हैं। (क्रमशः..)

आदर्शवाद से यथार्थवाद, कैसे बदली भारत की विदेश नीति?

अप्रैल 1955 भारत को आजाद हुए आठ बरस बीच चुके थे। अंग्रेज भारत छोड़कर जा चुके थे। अब हम आजाद थे, अपने कानून बनाने के लिए, अपने तरह से जीने के लिए और आजाद हिंदुस्तान को मिलकर आगे ले जाने के लिए। अप्रैल के महीने की 18 तारीख को इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत बांडुंग में एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में भारत समेत म्यांमार, श्रीलंका, पाकिस्तान, इंडोनेशिया जैसे देश शामिल होते हैं। इस बैठक को बांडुंग सम्मेलन कहा गया। उसी बांडुंग सम्मेलन में जब श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री सर जॉन कोटलेवाला ने इस ओर ध्यान दिलाया कि पोलैंड, हंगरी, बुल्गारिया और रोमानिया जैसे देश उसी तरह सोवियत संघ के उपनिवेश हैं जैसे एशिया और अफ्रीका के दूसरे उपनिवेश हैं। ये बात नेहरू जी को बहुत बुरी लगी। वो उनके पास गए और आवाज ऊंची करके बोले, सर जॉन आपने ऐसा क्यों किया? अपना भाषण देने से पहले आपने उसे मुझे क्यों नहीं दिखाया? जॉन ने छूटते ही जवाब दिया कि मैं क्यों दिखाता अपना भाषण आपको? क्या आपने अपना भाषण देने से पहले मुझे दिखाते? इतना सुनते ही पंडित नेहरू क्रोध से भर उठे और छह वर्ष तक प्रधानमंत्री की सुरक्षा करने वाले पूर्व आईपीएस केएफ रूस्तमजी की माने तो नेहरू जी ने अपना हाथ ऊपर उठा लिया था और ऐसा लगा कि जैसे वो कोटेलावाला को तमाचा न जड़ दें। लेकिन बीच में आईं इंदिरा गांधी ने पंडित नेहरू का हाथ पकड़ कर उनके कान में आहिस्ता से कहा- आप शांत हो जाइए। वहां मौजूद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता चाऊ एनलाई ने अपनी टूटी-फूटी अंग्रेजी में दोनों को समझाने की कोशिश की। इस वाक्या का जिक्र करते हुए जॉन कोटलेवाला ने अपनी किताब %एन एशियन प्राइम मिनिस्टर्स स्टोरी% में लिखा कि मैं और नेहरू हमेशा से बेहतरीन दोस्त रहे और मुझे विश्वास है कि नेहरू ने मेरी उस धृष्टता को भुला दिया होगा। गुटनिरपेक्ष आंदोलन की अवधारणा शीत युद्ध की पृष्ठभूमि में इंडोनेशिया में आयोजित इसी बांडुंग सम्मेलन के दौरान रखी गई थी।

स्वतंत्रता के दस्तावेज़ों पर स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि एक नई भू-राजनीतिक वास्तविकता शीत युद्ध के रूप में सामने आ गई। 20वीं सदी का निर्णायक वैचारिक संघर्ष वैश्विक परिदृश्य को दो विरोधी गुटों में विभाजित करते हुए नया रूप देने लगा था।

शीत युद्ध का दौड़

स्वतंत्रता के दस्तावेज़ों पर स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि एक नई भू-राजनीतिक वास्तविकता शीत युद्ध के रूप में सामने आ गई। 20वीं सदी का निर्णायक वैचारिक संघर्ष वैश्विक परिदृश्य को दो विरोधी गुटों में विभाजित करते हुए नया रूप देने लगा था

सोवियत के नेतृत्व वाला कम्युनिस्ट गुट

महाद्वीपों के विभिन्न हिस्सों में सरकारें पक्ष चुन रही थीं। फिर भी भारत की प्रतिक्रिया स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरी थी। निमंत्रण के लिए धन्यवाद, लेकिन हम इससे दूर रहेंगे। इस निर्णय से उस विचारधारा का जन्म हुआ जो आगे चलकर भारतीय कूटनीति यानी गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) की आधारशिला बनी।

गुटनिरपेक्षता की जड़ें

गुटनिरपेक्षता के बीज आज़ादी से पहले ही बो दिए गए थे। मार्च 1947 में जवाहरलाल नेहरू ने नई दिल्ली में एशियाई संबंध सम्मेलन की मेज़बानी की। इसमें 28 एशियाई देशों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए, जो उत्तर-औपनिवेशिक एकजुटता के दृष्टिकोण से एकजुट थे। इस सम्मेलन का उद्देश्य महाद्वीपीय एकता को बढ़ावा देना और बाहरी शक्ति समूहों के दबाव का विरोध करना था। प्रधानमंत्री बनने के बाद, जवाहरलाल नेहरू ने इस नींव पर और मज़बूती से काम किया। एकता के साथ-साथ, उन्होंने एक और रणनीतिक स्तंभ तटस्थता को जोड़ा। उन्होंने एक ऐसे एशिया की कल्पना की जो शीत युद्ध की उलझनों से दूर रहे। गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने इन देशों के लिये दोनों गुटों से अलग रहकर एक स्वतंत्र विदेशी नीति रखते हुए आपसी सहयोग ब ?ने का एक म ?बूत आधार प्रदान किया। जिसकी स्थापना में भारत के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसेफ ब्रॉज टीटो और मिस्त्र के राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर ने अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही इंडोनेशिया के अहमद सुकर्णो और घाना के प्रधानमंत्री वामे एनक्रूमा ने भी गुटनिरपेक्ष आंदोलन को अपना समर्थन दिया। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन वर्ष 1961 में बेलग्रेड (यूगोस्लाविया) में आयोजित किया गया था, इस सम्मेलन में विश्व के 25 देशों ने हिस्सा लिया था। वर्तमान में विश्व के 120 देश इस समूह के सक्रिय सदस्य हैं।

आदर्शवाद

शुरू से ही, गुटनिरपेक्ष आंदोलन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। आलोचकों ने इसे तटस्थ या यहाँ तक कि अलगाववादी भी कहा। लेकिन भारत का नेतृत्व दृढ़ रहा। वे शीत युद्ध के शतरंज के खेल में मोहरे नहीं, बल्कि खिलाड़ी बनना चाहते थे। 1950 के दशक में भारत की कूटनीति ठंडे रणनीतिक गणित के बजाय सिद्धांतों पर आधारित थी। इसने कोरियाई युद्ध के दौरान शांति स्थापित करने की कोशिश की, कम्युनिस्ट चीन की वैश्विक मान्यता की वकालत की और स्वेज संकट के दौरान मिस्र पर त्रिपक्षीय आक्रमण के खिलाफ आवाज उठाई। इन कार्यों ने भारत को नैतिक प्रतिष्ठा और न्याय की आवाज़ की छवि दिलाई। लेकिन एक कमजोरी भी व्यावहारिकता अक्सर गायब रहती थी।

1960 का दशक

1960 का दशक तीखे सबक लेकर आया। भारत की पड़ोस नीति तब ध्वस्त हो गई जब दो पड़ोसियों 1962 में चीन और 1965 में पाकिस्तान ने हमला किया। चीन के साथ युद्ध की टीस आज तक नहीं गई है। पाकिस्तान के साथ युद्ध जीत के साथ समाप्त हुआ। लेकिन दोनों ही संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया- सिद्धांत प्रशंसा तो अर्जित कर सकते हैं, लेकिन सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। आर्थिक रूप से देश अभी भी औपनिवेशिक क्षति के बोझ तले संघर्ष कर रहा था। अर्थव्यवस्था का औद्योगीकरण समाप्त हो चुका था, कृषि की हालत खराब थी और देश सालाना 10-11 मिलियन टन गेहूँ के आयात पर निर्भर था। 1955 और 1965 के बीच भारत विदेशी सहायता पर अपनी निर्भरता के चरम पर पहुँच गया। स्वास्थ्य कार्यक्रमों, ग्रामीण शिक्षा और परिवार नियोजन के लिए लाखों डॉलर देश में प्रवाहित हुए। इस निर्भरता ने गुटनिरपेक्ष रुख को कमजोर कर दिया। वियतनाम युद्ध के दौरान, भारत ने अमेरिकी कार्रवाइयों की आलोचना की, लेकिन उसे अभी भी अमेरिकी सहायता की आवश्यकता थी। वाशिंगटन ने इसका लाभ उठाया और नई दिल्ली पर अपने विरोध को कम करने का दबाव डाला। इस दशक ने भारतीय कूटनीति को एक असहज सच्चाई का सामना करने के लिए मजबूर कर दिया। केवल आदर्श ही विदेश नीति को संचालित नहीं कर सकते।

1970 में हुई यथार्थवाद की एंट्री

1970 का दशक यथार्थवाद की ओर एक रणनीतिक बदलाव का प्रतीक था। घरेलू स्तर पर, हरित क्रांति ने कृषि को पूरी तरह बदल दिया। दशक के अंत तक, भारत खाद्यान्नों के मामले में आत्मनिर्भर हो गया, जिससे विदेशी खाद्य सहायता पर निर्भरता का युग समाप्त हो गया। कूटनीतिक मोर्चे पर 1971 में सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि पर हस्ताक्षर के साथ एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। यह केवल एक प्रतीकात्मक संकेत नहीं था। यह भू-राजनीतिक उथल-पुथल के प्रति एक सोची-समझी प्रतिक्रिया थी। अमेरिका चीन के करीब आ रहा था और पूर्वी पाकिस्तान में जातीय बंगालियों पर पाकिस्तान की कार्रवाई ने भारत में शरणार्थियों की भारी आमद को बढ़ावा दिया था। तटस्थता अब इन संकटों का समाधान नहीं कर सकती थी और यथार्थवाद ही आगे बढ़ने का व्यावहारिक रास्ता था। सोवियत गठबंधन रंग लाया। 1971 के युद्ध में, इसने रणनीतिक समर्थन प्रदान किया जिससे भारत को जीत हासिल करने और बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने में मदद मिली। पूरे दशक में, भारत-सोवियत संबंध प्रगाढ़ हुए व्यापार 1973 के 46 करोड़ डॉलर से लगभग दोगुना होकर 1975 में 83 करोड़ डॉलर हो गया, हथियारों की बिक्री का विस्तार हुआ और 1975 में सोवियत रॉकेट से भारत के पहले उपग्रह के प्रक्षेपण के साथ सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण तक पहुँच गया।

1980 का दशक: क्षेत्रीय शक्ति और गलत कदम

1980 का दशक भारत द्वारा दक्षिण एशिया में अपने नेतृत्व को मज़बूत करने के साथ शुरू हुआ। 1985 में इसने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसका उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया में आसियान की तरह एकता को बढ़ावा देना था। लेकिन इस दशक में एक महंगी गलती भी देखी गई। श्रीलंका में, सरकार और तमिल अलगाववादियों के बीच एक क्रूर गृहयुद्ध तेज हो गया। श्रीलंका में तमिलों और दक्षिण भारत में लाखों लोगों के बीच साझा जातीय संबंधों को देखते हुए, नई दिल्ली ने हस्तक्षेप किया। 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते के परिणामस्वरूप भारतीय शांति सेना (IPKF) की तैनाती हुई। मूल रूप से शांति बनाए रखने का कार्यभार संभाले हुए, IPKF जल्द ही तमिल अलगाववादियों के साथ सीधे संघर्ष में उलझ गया। 1990 तक, भारत ने अपनी सबसे बड़ी कूटनीतिक भूलों में से एक को चिह्नित करते हुए, इससे पीछे हटना शुरू कर दिया। इस बीच, वैश्विक गतिशीलता बदल रही थी। चीन के साथ संबंधों में गर्मजोशी आई, शीत युद्ध समाप्ति के करीब पहुँच गया और सोवियत संघ अफ़गानिस्तान में उलझ गया। प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 1985 में अमेरिका और 1988 में चीन यात्राओं ने शीत युद्ध के बाद की कूटनीतिक रणनीति की ज़मीन तैयार की।

1990 के उदारीकरण के दौर में मिले नए साझेदार

1990 के दशक ने भारत के लिए एक नया अध्याय शुरू किया, जो आर्थिक और कूटनीतिक, दोनों ही अनिवार्यताओं से प्रभावित था। 1991 के आर्थिक सुधारों ने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने का प्रयास किया, जिससे व्यापक अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव आवश्यक हो गया। सोवियत संघ के पतन ने एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार को हमसे दूर कर दिया, जिससे भारत को अपने संबंधों में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया। 1992 में,भारत ने 'पूर्व की ओर देखो नीति' शुरू की और तथाकथित 'एशियाई टाइगर्स' सहित दक्षिण-पूर्व एशिया की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए आसियान के साथ एक संवाद भागीदार बन गया। उसी वर्ष, भारत ने इज़राइल के साथ सार्वजनिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित किए, जिससे दशकों का मौन सहयोग समाप्त हो गया। हालाँकि, इस दशक की प्रगति 1998 में बाधित हुई जब भारत ने राजस्थान में परमाणु परीक्षण किए। अमेरिका ने प्रतिबंधों के साथ जवाब दिया और पाकिस्तान ने जल्द ही अपने परीक्षण किए, जिससे क्षेत्र में तनाव खतरनाक स्तर पर पहुँच गया।

2000 का दशक

2000 के दशक में प्रवेश करते हुए, भारत को एक अनिश्चित स्थिति का सामना करना पड़ा। दो परमाणु-सशस्त्र पड़ोसी, कोई महाशक्ति सहयोगी नहीं और एक प्रतिबंधित अर्थव्यवस्था। इस युग में कूटनीति दो मुख्य लक्ष्यों पर केंद्रित थी- अमेरिका के साथ संबंधों को पुनर्स्थापन और बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी को गहरा करना। 2001 तक अधिकांश प्रतिबंध हटा लिए गए थे। आतंकवाद के साझा आघात अमेरिका के 9/11 और भारत के 26/11 ने दोनों देशों को और करीब ला दिया। इस साझेदारी ने एक असैन्य परमाणु समझौते को आगे बढ़ाया और साथ ही अन्य वैश्विक शक्तियों के साथ जुड़कर गुटनिरपेक्षता की विरासत को भी संरक्षित किया। 2006 में ब्राज़ील, रूस, भारत और चीन के विदेश मंत्रियों ने न्यूयॉर्क में मुलाकात की, जिसने ब्रिक्स की नींव रखी। समूह का पहला आधिकारिक शिखर सम्मेलन 2009 में हुआ। दशक के अंत तक, भारत की अर्थव्यवस्था फलफूल रही थी और उसकी कूटनीति में विविधता आ रही थी।

2010 का दशक : बढ़ता प्रभाव

2010 के दशक ने साबित कर दिया कि भारत वैश्विक अवसरों का लाभ उठा सकता है। इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात, जापान, दक्षिण कोरिया, उज़्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान सहित 14 देशों के साथ रणनीतिक साझेदारियाँ की गईं। इसी दौरान, चीन के साथ प्रतिद्वंद्विता और गहरी हुई। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में, चीन ने क्षेत्रीय प्रभुत्व हासिल करने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप 2017 में डोकलाम गतिरोध हुआ, जहाँ भारतीय और चीनी सैनिक 70 दिनों से ज़्यादा समय तक आमने-सामने रहे। आज, भारत की विदेश नीति का दृष्टिकोण विश्वबंधु बनने का है - सभी का मित्र। देश गुटनिरपेक्षता से बहु-गठबंधन की ओर अग्रसर हो गया है। यह अमेरिका के साथ क्वाड में भाग लेता है, चीन के साथ ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य बना हुआ है, जी-7 शिखर सम्मेलनों में भाग लेता है और ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करता है। भारत ईरान में बंदरगाह बना सकता है, इज़राइल से हथियार खरीद सकता है, रूस से युद्धपोत हासिल कर सकता है और फिर भी शांति का आह्वान करने के लिए यूक्रेन का दौरा कर सकता है। यह नया दृष्टिकोण - हर कमरे में रहें, लेकिन अपने कोने में रहें - पिछले दशकों की तुलना में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है।

आदर्शवाद और यथार्थवाद का सही संतुलन

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अक्सर आदर्शवाद एवं यथार्थवाद के बीच एक राह के चयन की दुविधा होती है। आदर्शवाद वस्तुतः नैतिक मूल्यों एवं नीतिपरक सिद्धांतों वाली राह है। आदर्शवाद में विश्वास करने वाले देश इसी राह पर चलकर वैश्विक शांति एवं समृद्धि के लिए मिल जुलकर काम करते हैं। दूसरी ओर, यथार्थवाद सिद्धांत से अधिक व्यावहारिक पक्ष पर जोर देता है। इसमें राष्ट्रीय हित, शक्ति संतुलन और अस्तित्व बचाने जैसे पहलू देशों के कार्य-व्यवहार को निर्धारित करते हैं। इस बदलाव के पीछे एक अहम कारक विदेशी निर्भरता में कमी है। 20वीं सदी में, भारत की स्वतंत्र विदेश नीति आर्थिक कमज़ोरियों से बाधित थी। आज, स्थिति उलट है। भारत अब विदेशी सहायता पर निर्भर नहीं है; बल्कि, यह एक वैश्विक दाता है। 2000 से, इसने 65 देशों को 48 अरब डॉलर से ज़्यादा की सहायता प्रदान की है। कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत ने 160 देशों को टीके भेजकर 'दुनिया की फार्मेसी' की भूमिका निभाई। अपने पड़ोस में, भूकंप से लेकर सुनामी और समुद्री डाकुओं के हमलों तक, आपदाओं में यह सबसे पहले मदद करने वाला देश है। - **अभिनय आकाश**

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष दशमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

व्यावसायिक सफलता मिलेगी। अपनों का साथ होगा। पराक्रम रंग लाएगा। स्वास्थ्य अच्छा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)

धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। सधी हुई जुबान का प्रयोग करें। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)

ओजस्वी, तेजस्वी बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)

खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)

आय के नए स्रोत बनेंगे, पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। यात्रा का अत्यंत लाभकारी योग बनेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

व्यापारिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम- संतान का साथ होगा

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)

भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)

परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)

जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)

शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। नतमस्तक हो जाएंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)

बच्चे आज्ञा का पालन करेंगे। प्रेम में नयापन रहेगा। कोई निर्णय ले पाएंगे। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)

भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का उत्तम योग बन रहा है। घर में कोई उत्सव संभव है।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक मंच) की हुई बैठक

मेरठ (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक मंच) की

एक मीटिंग का आयोजन मेरठ के गाँव बहादरपुर मे किया गया। मीटिंग में खेती में आने वाली समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा गन्ना मूल्य बढ़ाने व गन्ना घटतौली बिजली आदि समस्याओं को लेकर आंदोलन कर सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का निर्णय लिया गया।

मीटिंग में सर्व सम्मति से सुभाष चन्द मास्टर पुत्र भंवर सिंह निवासी बहादरपुर ब्लॉक सरूरपुर खुर्द को मेरठ का जिलाध्यक्ष व अखलाक पुत्र इब्राहीम गांव महलका ब्लॉक दौराला को युवा जिलाध्यक्ष मेरठ नियुक्त किया गया मीटिंग की अध्यक्षता देवेन्द्र सिंह प्रधानाचार्य मवाना इंटर कॉलेज तथा संचालन विक्रम सिंह बहादरपुर ने किया मीटिंग में पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी राजबीर सिंह ने किसानों से संगठित होकर बड़े आंदोलन करने के लिए तैयार रहने को कहा।

उन्होंने कहा कि आज देश में किसान की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है किसानों की नुमाइंदगी करने वाले हमारे नेता पता नहीं किस वजह से चुप हैं किसानों के नाम पर चल रहे संगठन या तो सरकार के साथ खड़े दिखाए देते हैं या फिर विपक्ष के आगे से ऐसा नहीं होने दिया जाएगा जो किसान की बात करेगा उसी के साथ किसान खड़े होगे।

मीटिंग में मुख्य रूप से संगठन के राष्ट्रीय महासचिव विनोद जटोली,राष्ट्रीय प्रवक्ता दिनेश शर्मा,प्रदेश प्रभारी उत्तर प्रदेश अंकित चौधरी , प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर अवाना,एनसीआर अध्यक्ष विभोर शर्मा,अक्षय त्यागी जिलाध्यक्ष मुजफ्फरनगर सुनील दायमा जिलाध्यक्ष गौतम बुध नगर,शुक्रमपाल रमेश अनुज महक सिंह गजेंद्र धर्मपाल प्रधान, कुंवरपाल अहलावत,मुनेन्द्र भारद्वाज, रामबीर अवाना, गोपी कश्यप, रणजीत शर्मा,आदि भारी सांख्य मे किसान मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण रासलीला का कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एकल श्रीहरि ग्रेटर नोएडा विभाग में एकल सुरताल टीम के माध्यम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य श्रीकृष्ण रासलीला का कार्यक्रम दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ।विभाग कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती सरोज तोमर ने दीप प्रज्वलित करने हेतु मंदिर समिति को आमंत्रित किया। सुरताल टीम ने देव भक्ति एवं देश भक्ति गीतों के माध्यम से सभी भक्तों का मन मोह लिया। टीम प्रमुख श्रीमती करुणा ठाकुर ने टीम के सदस्यों का परिचय कराया एवं कार्यक्रम के बीच में एकल अभियान की संक्षिप्त एवं व्यवस्थित जानकारी एकल श्रीहरि दिल्ली नगर संगठन प्रमुख श्रीमती सुमन बिष्ट ने दी। विभाग अध्यक्ष श्रीमती बबिता बंसल ने अपनी टीम एवं मंदिर समिति टीम के साथ मिलकर सुरताल टीम को माला पहनाकर सम्मानित किया।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की पुण्यतिथि मनाई

भदोही (चेतना मंच)। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गी अटल बिहारी वाजपेई की पुण्यतिथि जिला

कार्यालय में भाजपा के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में मनाया गया।

भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने अपने संबोधन ने कहा मैं बताना चाहता हूं अटल बिहारी वाजपेई ऐसे प्रधानमंत्री थे जिन्होंने तीन बार देश का नेतृत्व किया और प्रधानमंत्री पद पर आसींन रहे अटल बिहारी वाजपेई जी एक अच्छे कबि भी थे पत्रकार भी थे और प्रखर वक्ता भी थे जिसे देश लोहा मानता था आपकी चर्चा विदेशो में भी रहती थी विदेश के लोग भी बड़े सह सम्मान से आपका नाम लेते थे अटल बिहारी वाजपेई जी जन संघ के संस्थापक में से एक थे और उसके अध्यक्ष भी रहे लंबे समय तक राष्ट्र धर्म पाच्चजन्य पत्र और वीर अर्जुन आदि राष्ट्रीय भावनाओं से ओत प्रोत अनेको पत्र पत्रिकाओं का भी संपादन किया है

आज देश उसी के उपलक्ष में आपको याद करते हुए जनपद भदोही से जिला अध्यक्ष श्रीमान दीपक मिश्रा जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी समस्त जनप्रतिनिधि प्रदेश कार्य समिति सदस्य जिला पदाधिकारी सभी मोर्चे के पदाधिकारी मंडल के पदाधिकारी काशी क्षेत्र से निवास कर रहे प्रवासी प्रबुद्ध जन तथा बूथ अध्यक्ष समेत युवा नेता मनीष पांडेय सहित आपकी पूरी टीम लाल मड़ी मिश्रा प्रवीण सिंह मनीष पांडेय राजेश सिंह शिवम तिवारी मोनू सिंह राजेंद्र पाल बघेल बेद मौर्य आपके पूण्य तिथि पर एक सच्ची श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि नम आंखों से अर्पित किया।

बीटा-1 की साफ-सफाई व्यवस्था ध्वस्त

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग एवं ठेकेदारों के लापरवाही से बीटा वन में साफ सफाई की व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है । कई बार मांग करने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी साफ सफाई की व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

वहीं ठेकेदार की मनमानी भी सेक्टरवासियों के लिए सर दर्द बन चुकी है।

बताया जाता है कि बीटा-1 के साफ-सफाई की व्यवस्था इतनी ध्वस्त हो चुकी है कि वहां से गुजरने वाले लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की संज्ञान लेने की मांग ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से की है। समाजसेवी हरेंद्र भाटी ने कहा कि कई बार मांग के बाद भी सफाई व्यवस्था नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि सेक्टर में जगह-जगह कूड़े का ढेर लगा है। शिकायत के बाद भी ठेकेदार एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सो रहे हैं।

टोल अधिकारियों ने किया प्रकाश प्रधान को सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सिरसा में आयोजित भव्य एवं

ऐतिहासिक कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक मंच) के राष्ट्रीय सचिव चौ0 प्रकाश प्रधान का विशेष सम्मान किया गया।

इस कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, किसान नेताओं, समाजसेवियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर चौ0 प्रकाश प्रधान के अद्वितीय नेतृत्व, निःस्वार्थ सेवा भाव और किसानों के अधिकारों के लिए उनके सतत संघर्ष की प्रशंसा की। आयोजन के मुख्य क्षण में उन्हें पुष्पगुच्छ व सम्मान प्रतीक भेंट कर हार्दिक अभिनंदन किया गया।

नई दिल्ली में आयोजित हुआ आवास के अधिकार पर कन्वेंशन

नई दिल्ली। दिल्ली शहर में झुग्गी बस्तियों/ मजदूर बस्तियां, कच्ची कॉलोनियों

व पुनर्वास कॉलोनियों में मेहनतकश लोगों के घरों को उजाड़े /तोड़े जाने के खिलाफ एवं सम्मानजनक आवास के अधिकार पर वामपंथी पार्टियों की संयुक्त पहल पर सुरजीत भवन नई दिल्ली पर 17 अगस्त 2025 को कन्वेंशन आयोजित किया गया।

कन्वेंशन को संबोधित करते हुए भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी दिल्ली राज्य सचिव कामरेड अनुराग सक्सेना ने कहा कि बीते तीन महीना से देश की राजधानी दिल्ली में मजदूर-मेहनतकशों की बस्तियों को सरकार द्वारा उजाडा जा रहा है झुग्गी बस्तियां, कच्ची कॉलोनियों, बाजारों इत्यादि को अवैध, हरित पट्टी, ओजोन, सरकारी भूमि इत्यादि कहकर केंद्र सरकार और दिल्ली की राज्य सरकार हजारों मजदूरों के घरों को उजाड़ रही है। उजाड़े गए लोगों में से बहुत ही कम लोगों को आवास दिया जा रहा है और बाकियों को दस्तावेज की कमी बताकर आवास के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। जिसे हम कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

रक्तदान शिविर का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब के सदस्य मनीष गर्ग ने बताया रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा एवं पूर्वांचल हाईट्स सोसाइटी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ।

रक्तदान शिविर में 37 यूनिट बहुमूल्य रक्त एकत्रित हुआ । जिसमें सोसाइटी के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। रक्तदान शिविर में शुभम सिंघल, मुकुल गोयल, अभिषेक अग्रवाल, कपिल गुप्ता, मोहित बंसल, मनु जिंदल, उदित गोयल, मनीष गर्ग, शुभम गोयल, मयंक गर्ग आदि उपस्थित रहे।

पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट में हर्षोल्लास से मनाया गया जन्माष्टमी उत्सव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जन्माष्टमी महोत्सव की पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी में सुबह से ही धूम रही । यहां के शिव मन्दिर को रंग-बिरंगे कपड़ों फूलों और मनमोहक लाइट्स से सजाया गया और श्रद्धालुओं का इस अवसर पर हिंडोले में झूले पर बैठे ठाकुरजी को झुलाने का चाव देखा गया । भक्तों का सुबह से ही अनवरत दर्शन करने के लिए तांता लगा रहा।

जन्माष्टमी के मुख्य कार्यक्रम में बोले बाबा के रंगों भरी बर्फ से श्रृंगार आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहे । कार्यक्रम में बच्चों के लिए राधाकृष्ण छवि और स्वरूप नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 100 बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया । मन्दिर ट्रस्ट और कार्यकारिणी के अध्यक्ष श्री अशोक चौधरी और अलंकार शर्मा जी और सचिव एड. गौरव शर्मा द्वारा विजेता बच्चों को पुरस्कार दिया गया । कार्यक्रम का संचालन कलाकार श्री अतुल %तूफानी%, सुभाष चंद्र पाल और भूमिका तिवारी ने किया। श्रद्धालुओं ने जयजयकार के साथ राधा कृष्ण स्वरूपों की और उनके नृत्य की प्रशंसा की और आनंद लिया ।

रात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण के प्राकट्य के साथ ही वैदिक मंत्रों के साथ उनका अभिषेक और पूजन किया गया और पूरा मन्दिर जयकारों से गूंज उठा । इसके बाद भगवान के पंचामृत, मिष्ठान और माखन मिश्री के प्रसाद का वितरण किया गया ।

कार्यक्रम को भव्य बनाने में कार्यकारिणी उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र पाल और अतुल %तूफानी%, सचिव भूमिका तिवारी और सत्य प्रकाश, संयोजक गौरी सोनी, स्वाती तालियान और निशांत सक्सेना का योगदान रहा ।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

एसआईआर को लेकर ....

कि अगर किसी सांसद ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की तो वे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को मजबूर हो जाएंगे। जब इस पर विपक्षी सांसदों का हंगामा बंद नहीं हुआ तो सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई।

कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर कहा, %हमने संविधान की शपथ ली है कि देश के साथ कोई अन्याय नहीं होने देंगे। चुनाव आयोग ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे राहुल गांधी ही चुनाव आयोग हों। आप चुनाव आयोग हैं, आपको उठ रही आवाज़ों की जांच करनी चाहिए थी और सच्चाई सामने लानी चाहिए थी, लेकिन आप उल्टा चोर कोतवाल को डांटे जैसा हाल कर रहे हैं। गलती आपकी है और आप राहुल गांधी से हलफनामा मांग रहे हैं, आप हलफनामा दीजिए... चुनाव आयोग को जांच करानी चाहिए और जो आंकड़ें हम मांग रहे हैं वह देने चाहिए। उन्होंने कहा कि कहा मुख्य चुनाव आयुक्त ने भाजपा से यही अनुरोध क्यों नहीं किया? उन्होंने भी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त भाजपा के साथ कांग्रेस जैसा व्यवहार क्यों नहीं कर रहे हैं? मुझे लगता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इस संवैधानिक पद की गरिमा को कमज़ोर किया गया है।

द्वारका में स्कूलों को....

15 और 16 जुलाई को भी दिल्ली के कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों को इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। 16 जुलाई को द्वारका, पश्चिम विहार और हौज खास इलाके के पांच स्कूलों को निशाना बनाया गया था। इसी तरह, सेंट थॉमस स्कूल, सेंट स्टीफन और रामजस कॉलेज को भी धमकी वाले मेल भेजे गए थे। इसी कड़ी में 15 जुलाई को दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस स्थित साइंटिस्ट डिफेंस कॉलेज को मेल मिला था, जिसमें दावा किया गया था कि कॉलेज और लाइब्रेरी में आरडीएक्स रखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और बम स्क्वॉड ने सघन तलाशी अभियान चलाया, हालांकि कुछ बरामद नहीं हुआ।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सभी धमकियां ईमेल के माध्यम से भेजी जा रही हैं। फिलहाल साइबर सेल ईमेल की लोकेशन और स्रोत का पता लगाने में जुटा है। बार-बार मिल रही इन धमकियों ने दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

पतंजलि मेगा स्टोर से...

अनुबंध समाप्ति की पुष्टि की।

इसी के कारण कंपनी ने एक ओर याचिका कोर्ट में दायर की। जिसमें पीईएफआई ने तर्क दिया कि अनुबंध समाप्ति मनमाना और समझौते की शर्तों के विपरीत थी। याचिकाकर्ता के वकील ने प्रस्तुत किया कि अनुबंध की शर्तों के अनुसार, फ्लडलाइट्स और बैठने की व्यवस्था जैसे बड़े कार्य केवल प्राधिकरण की पूर्व अनुमति से ही किए जा सकते हैं। पीईएफआई ने दावा किया कि उसने बार-बार इस तरह की अनुमति का अनुरोध किया था, लेकिन अनुरोधों को अनदेखा कर दिया गया। उसने आगे तर्क दिया कि देरी का भार उस पर नहीं डाला जा सकता।

प्राधिकरण ने अपने प्रतिवाद में बताया कि पीईएफआई अनुबंध के दायित्वों को पूरा करने में विफल रहा है, जिसके तहत उसे बैठने की व्यवस्था और प्रकाश व्यवस्था, सुविधाओं का रखरखाव और दैनिक कार्यों को संभालना था। इसने याचिकाकर्ता पर अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया, जिससे राजस्व हानि हुई और बुनियादी ढांचे में गिरावट आई। अपने आदेश में कोर्ट ने प्राधिकरण के इस निष्कर्ष पर ध्यान दिया कि याचिकाकर्ता ने 2021 से स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा है।

ढाई वर्ष की बच्ची....

अट्टा मार्केट में कपड़ों की खरीदारी करने के लिए गई थी। उसकी पत्नी दुकान में कपड़े देखने लगी। इस दौरान उनकी (16 वर्षीय) भतीजी वहां से लापता हो गई। उसकी पत्नी ने भतीजी की तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

मेट्रो स्टेशन पर....

उन्होंने अपने मोबाइल फोन की काफी तलाश के लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित के शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है बता दें कि शहर के मेट्रो स्टेशनों पर आए दिन मोबाइल वापस चोरी होने की घटनाएं हो रही हैं मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के बावजूद भी चोरी की घटनाएं मेट्रो स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा रही हैं।

उद्योग विहार में गिरा ....

कई पेड़ बहुत पुराने हो चुके हैं और बारिश के मौसम में किसी भी समय गिरने की स्थिति में हैं। लगभग 10 से 12 पेड़ ऐसे हैं जिन्हें तत्काल हटाने की आवश्यकता है।

इस गंभीर समस्या की सूचना हॉर्टिकल्चर विभाग को दी गई है और विभाग द्वारा तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है।

आरडब्ल्यए उद्योग विहार के अध्यक्ष मंयक चौहान ने बताया कि लगातार नोएडा अथॉरिटी से इन पेड़ों की छंटाई और कटाई की मांग कर रहा है ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की जान-माल की हानि से बचा जा सके।

विभिन्न सड़क हादसों में ....

वहीं थाना सूरजपुर क्षेत्र के सेक्टर जीटा-1 में 12 अगस्त को हादसे में घायल हुए प्लंबर की उपचार के दौरान मौत हो गई। मूल रूप से जनपद सिवान बिहार का रहने वाला दीनबंधु सूरजपुर में किराए पर रहता था। दीनबंधु प्लंबिंग का काम करता था 12 अगस्त को वह प्लंबिंग का काम करने के बाद रात्रि में अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी से घर लौट रहा था। वनस्थली स्कूल के पास तेज गति में आ रही बाइक के चालक ने दीनबंधु की स्कूटी में टक्कर मार दी। इस हादसे में दीनबंधु गंभीर रूप से घायल हो गया उपचार के लिए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया 17 अगस्त की शाम को उपचार के दौरान दीनबंधु की मौत हो गई। इस संबंध में मृतक के भाई अमित कुमार ने बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मेट्रो स्टेशन पर ....

अरविंद कुमार गुप्ता के मुताबिक कर नगदी के अलावा आधार कार्ड व अन्य कागजात भी चोरी कर ले गए हैं। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

साइकिल यात्रा से पूर्व....

सपा कार्यालय पर साइकिल यात्रा के लिए एकत्रित हुए। सपा कार्यकर्ताओं के एकत्रित होने की भनक लगते ही स्थानीय पुलिस कार्यालय पहुंची और सभी कार्यकर्ताओं को साइकिल यात्रा निकालने से मन कर दिया।

सपा महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता ने बताया कि चुनाव आयोग के विरोध में आज जिले के सपा कार्यकर्ता दिल्ली तक साइकिल यात्रा निकालने के लिए एकत्रित हुए थे। शासन प्रशासन के इशारे पर पुलिस ने उन्हें साइकिल यात्रा नहीं निकलने दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज को दबाने का काम किया जा रहा है। शासन के इशारे पर सपाईयों को साइकिल यात्रा नहीं निकलने दी जा रही है। इस मौके पर महासचिव विकास यादव, बबलू चौहान, रामवीर यादव, सतवीर यादव, बिल्लू सैफी, राजू टाक, महकार तवर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

वहीं समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी को पुलिस ने आज सुबह उनके ग्रेटर नोएडा स्थित आवास पर नजर बंद कर दिया।

इंडोनेशिया के सुलावेसी में 5.7 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो, 18 अगस्त (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के सुलावेसी में रविवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने बताया कि भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर था। किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को इंडोनेशिया के पूर्वी पापुआ क्षेत्र में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, इसका केंद्र पापुआ के अबेपुरा शहर से लगभग 193 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित था। यह द्वीपसमूह प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है, यहां टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने से अक्सर भूकंपीय गतिविधियां होती रहती हैं।

डिप्रेशन का शिकार चीनी अभिनेत्री ने टैलेंट कंपनी पर लगाए सनसनीखेज आरोप

बीजिंग, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नेटफ्लिक्स ड्रामा हिडन लव मूवी सीरीज चीनी एक्ट्रेस झाओ लुसी ने एक मीडिया कंपनी पर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। तियानजिन गैलेक्सी कूल एंटरटेनमेंट कल्चर मीडिया कंपनी लिमिटेड पर उन्होंने दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। 26 वर्षीय झाओ ने कहा कि जब उन्होंने कंपनी से डिप्रेशन की शिकायत की तो कुछ अधिकारियों ने उन्हें होटल के कमरे में बंद कर दिया। वहीं, उसका इलाज किसी तांत्रिक से कराने की कोशिश की। डिप्रेशन और दूसरी वजहों से पिछले साल दिसंबर में वो बीमार पड़ गईं। इसी बीच कंपनी ने झाओ को फिल्म कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने के लिए 2 मिलियन युआन (2,80,000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भरने को कहा। उन्होंने कंपनी पर वर्षों से मौखिक और शारीरिक तौर पर उत्पीड़न का भी आरोप लगाया। झाओ की एक दोस्त ने दावा किया कि एक बार ऑडिशन में फेल होने पर उनके बॉस ने उन्हें रात के 2 बजे बाथरूम में घंटों डांटा था। सोशल मीडिया पर झाओ के फैंस उनके समर्थन में उतर चुके है।

पाक में भारी बारिश और बाढ़ ने मचाया हाहाकार, 48 घंटे में 327 लोगों की हुई मौत; बिगड़े हालात

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अचानक आई बाढ़ से पिछले 48 घंटे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 327 हो गई है। मृतकों में कई बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में 151 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 144 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 7 लोग शामिल हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, देश में 26 जून को मानसून के आगमन के बाद से 645 लोग मारे गए हैं, जिनमें से 50 प्रतिशत से अधिक लोग मुख्य रूप से पहाड़ी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के विभिन्न जिलों में अचानक आई बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक 21 अगस्त यहां बारिश का दौर जारी रहेगा।

आश्रम में रह रही नाबालिग के खाने में नींद की दवाई मिलाकर दुष्कर्म

जांजगीर चांपा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नींद की गोली खिलाकर नाबालिग से अनाचार करने वाले आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश (पाक्सो) अनिल कुमार बारा ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही पांच सौ रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन के अनुसार 14 वर्षीय पीड़िता अपने पिता के निधन बाद वह अपने मामा के घर में रहती थी। 13 मई 2023 को वह अपने बड़े भाई के साथ अपने बड़े पिता के पुत्र दिलेश्वर महंत के साथ एक आश्रम में रहने गई थी। उसका भाई उसे छोड़कर कमाने खाने गुजरात चला गया।

ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन: नेशनल गार्ड्स की तैनाती पर गुस्सा, व्हाइट हाउस तक मार्च निकाला

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। डीसी में नेशनल गार्ड्स की तैनाती के खिलाफ हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया। इन्होंने व्हाइट हाउस तक मार्च निकाला और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान लोगों के हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां भी थीं।

ट्रम्प ने 12 अगस्त को वॉशिंगटन में 800 नेशनल गार्ड्स तैनात करने के आदेश दिए थे। उन्होंने कहा कि राजधानी ऐसा राजधानी में बिगड़ी कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए किया जा रहा है। वॉशिंगटन की रैली ड्यूपॉन्ट सर्कल से शुरू हुई। प्रदर्शनकारियों ने शर्म करो और ट्रंप को अब जाना होगाट जैसे नारे लगाए। उन्होंने ट्रंप के क्राइम इमरजेंसी घोषित करने ते आदेश को खत्म करने की मांग की। प्रदर्शनकारी व्हाइट हाउस की ओर बढ़े और नारे लगाते रहे। वहीं डीसी मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अफसर उन्हें दूर से देख रहे थे।

इमरजेंसी पुलिस कमिश्नर की नियुक्ति की कोशिश

प्रदर्शन से 2 दिन पहले अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने ड्रग प्रवर्तन प्रशासन टेरी कोल को 'इमरजेंसी पुलिस कमिश्नर' नियुक्त करने की कोशिश की थी। कोल को डीसी पुलिस का पूर्ण कंट्रोल दिया जाएगा। अटॉर्नी जनरल ब्रायन श्वलब ने इसके खिलाफ फेडरल कोर्ट में अपील की और प्रशासन ने इस योजना को रद्द कर दिया। श्वलब ने कहा, हमारी पुलिस फोर्स पर कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। कई प्रदर्शनकारियों ने कहा कि डीसी पुलिस व्यवस्था पर ट्रंप के बढ़ते प्रभाव और नेशनल गार्ड के जवानों की मौजूदगी को लेकर चिंताए बढ़ रही हैं। एक स्थानीय जॉन स्मिथ ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें पता ही नहीं है कि वे क्या कह रहे हैं। मैं एक बूढ़ा श्वेत व्यक्ति हूं और हर समय सुरक्षित घूमता हूं। कई ग्रुप्त आने वाले हफ्तों में वाशिंगटन में और प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं। व्हाइट हाउस ने अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

वर्जीनिया के गवर्नर 400 नेशनल गार्ड्स भेजेंगे

इस बीच, वेस्ट वर्जीनिया के गवर्नर पैट्रिक मॉरिसी ने शनिवार को घोषणा की कि वह ट्रंप की कार्रवाई के समर्थन में वाशिंगटन में 300 से 400 नेशनल गार्ड्स भेजेंगे। साउथ कैरोलिना से 200 और ओहियो से 150 नेशनल गार्ड आएंगे। फिलहाल वॉशिंगटन में 800 नेशनल गार्ड्स तैनात हैं, जिन पर सीधे तौर पर राष्ट्रपति का नियंत्रण है।

52 साल पुराने नियम का इस्तेमाल

राष्ट्रपति ट्रम्प ने 1970 के होम रूल एक्ट का इस्तेमाल किया है। यह राष्ट्रपति को अधिकार देता है कि वह इमरजेंसी की हालत में 48 घंटे तक शहर की पुलिस का नियंत्रण ले सकते हैं। अगर राष्ट्रपति वॉशिंगटन डीसी से जुड़े कानून बनाने वाली संसद की समितियों को इसकी जानकारी दे दें, तो पुलिस का नियंत्रण लंबे समय तक रखा जा सकता है।

22 अगस्त को ट्रंप, जेलेंस्की और पुतिन के बीच हो सकती है संयुक्त बैठक

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी बैठक के बाद यूरोपीय नेताओं से फोन पर बात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बातचीत में ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं से कहा कि वे 22 अगस्त तक पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ एक त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन आयोजित करना चाहते हैं। पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी बात की। इस बातचीत में दोनों नेताओं के बीच सोमवार को वॉशिंगटन में मुलाकात करने पर सहमति बनी। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सोमवार को वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने की पुष्टि की।

अमेरिकी ऑनलाइन मीडिया आउटलेट एक्सियोस के अनुसार, ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं को भी सोमवार को व्हाइट हाउस में होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने शनिवार को कहा कि जेलेंस्की और ट्रंप के बीच सोमवार को होने वाली बैठक के बाद एक त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन होने की उम्मीद है। हालांकि अभी तक रूस की तरफ से त्रि-पक्षीय बैठक में शामिल होने को लेकर कोई जानकारी या बयान सामने नहीं आया है।

विधायक अम्बा प्रसाद के भाई अंकित राज के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई, तीन करोड़ की संपत्ति अटैच

रांची, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। ताजा मामले में ईडी ने कांग्रेस की पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद के छोटे भाई अंकित राज की करोड़ों की अवैध संपत्ति अटैच कर दी है। जब्त की गई संपत्ति की कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये बताई जा रही है। ईडी सूत्रों के अनुसार, अंकित राज पर आरोप है कि उन्होंने अवैध बालू खनन से हुई कमाई को जमीन और अन्य अचल संपत्तियों में निवेश किया। जांच में सामने आया है कि खरीदी गई संपत्तियों के लिए दिखाए गए वैध आय के स्रोत और वास्तविक निवेश में भारी अंतर है।

इसी आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत इन संपत्तियों को अटैच किया गया है। गौरतलब है कि हजारीबाग जिले के बड़कागांव से विधायक रह चुकीं अम्बा प्रसाद और उनके परिवार पर ईडी की नजर पिछले कई वर्षों से बनी हुई है। 2024 और 2025 में एजेंसी ने अम्बा प्रसाद, उनके परिजनों और करीबी सहयोगियों के ठिकानों पर लगातार छापामारी की थी। उस दौरान ईडी को बड़ी मात्रा में दस्तावेज, बैंक लेन-देन से जुड़ी जानकारी और संपत्ति निवेश से जुड़े सबूत हाथ लगे थे।

इन्हीं सबूतों के आधार पर अंकित राज की संपत्ति अटैच की गई है।अंकित राज की संपत्ति जब्त होने के बाद झारखंड की राजनीति में हलचल मच गई है। अम्बा प्रसाद लंबे समय तक बड़कागांव क्षेत्र में कांग्रेस का मजबूत चेहरा रही हैं। ऐसे में उनके परिवार के खिलाफ ईडी की यह कार्रवाई विपक्ष के लिए सत्तारूढ़ दल और कांग्रेस पर निशाना साधने का नया मुद्दा बन सकती है। हालांकि कांग्रेस की ओर से अब तक इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। झारखंड में बीते कुछ वर्षों से ईडी खनन घोटाले और अवैध कारोबार से जुड़े मामलों में लगातार बड़ी कार्रवाई कर रही है। कई नेताओं, अधिकारियों और कारोबारियों के ठिकानों से करोड़ों रुपये की नकदी और दस्तावेज बरामद हो चुके हैं।

पाक में बड़ा रेल हादसा, पटरी से उतरी ट्रेन एक शख्स की मौत कई घायल

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बड़ा रेल हादसा हुआ है। रेल हादसा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हुआ है। यहां रविवार को एक ट्रेन के 4 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य यात्री घायल हो गए हैं। मीडिया में आई खबर से इस हादसे के बारे में जानकारी मिली है। घटना के समय ट्रेन पेशावर से कराची जा रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना पंजाब प्रांत के लोधरान रेलवे स्टेशन के पास हुई है। हादसे के बाद कम से कम 19 घायल यात्रियों को क्षतिग्रस्त डिब्बों से निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई। रिपोर्ट में लोधरान की उपायुक्त डॉ लुबना नजीर के हवाले से बताया गया है कि 2 अन्य यात्रियों की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा, 'दुर्घटना का सही कारण अभी ज्ञात नहीं है।' उन्होंने बताया कि इस रेलवे लाइन पर रेल सेवाएं सामान्य रूप से बहाल हो गई हैं। डॉ लुबना नजीर के अनुसार, रेल हादसे में घायल हुए 2 अन्य लोगों की हालत गंभीर है। इन घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। राहत और बचाव के काम में स्थानीय लोगों ने भी मदद की। बता दें कि, हाल ही में मूसा पाक एक्सप्रेस भी डिरेल हो गई थी, जिसमें 5 यात्रियों को चोटें आईं थीं। इससे पहले लाहौर से इस्लामाबाद जा रही इस्लामाबाद एक्सप्रेस के 10 कोच पटरी से नीचे उतर गए थे, जिसमें 30 यात्री घायल हुए थे।

24 घंटे में कैटेगरी-5 का खतरनाक तूफान बना एरिन

सैन जुआन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अटलांटिक महासागर में कैरिबियन के उत्तर में बना हरिकेन एरिन सिर्फ एक दिन में ट्रॉपिकल स्टॉर्म से कैटेगरी पांच के ताकतवर तूफान में बदल गया। अमेरिका के नेशनल हरिकेन सेंटर (एनेएचसी) ने जानकारी दी कि एरिन ने तेजी से रफ्तार पकड़ ली है। इसके बाद अब 160 मील प्रति घंटा (लगभग 255 किमी/घंटा) की जबरदस्त हवाएं चल रही हैं। मामले में नेशनल हरिकेन सेंटर के डायरेक्टर माइक ब्रेन्नन ने कहा कि एरिन एक बहुत ही ताकतवर तूफान बन गया है। सिर्फ 9 घंटों में इसकी हवा की गति 60 मील/घंटा (लगभग 96 किमी/घंटा) बढ़ गई। इसके साथ ही हरिकेन विशेषज्ञ माइकल लॉरी ने इसे अविश्वसनीय बताया। साथ ही कहा कि अगस्त महीने में इस तरह की तेजी से ताकत हासिल करना बहुत ही दुर्लभ है। विशेषज्ञों ने बताया कि तूफान इस वक्त एंग्विला से 110 मील (180 किमी) उत्तर में था और पश्चिम की ओर 16 मील/घंटा (26 किमी/घंटा) की रफ्तार से बढ़ रहा है। इसका केंद्र जमीन से दूर रहेगा, लेकिन इसके असर से प्योर्टो रिको और आसपास के द्वीपों में भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन और कीचड़ फिसलने का खतरा है। सेंट मार्टिन, सेंट बार्ट्स और सेंट मार्टेन के लिए ट्रॉपिकल स्टॉर्म वॉच जारी की गई है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि हालांकि तूफान अभी छोटा है (हैरीकेन-फोर्स हवाएं सिर्फ 45 किमी तक फैल रही हैं), लेकिन अगले कुछ दिनों में इसका आकार दोगुना या तीन गुना हो सकता है। इससे अमेरिका के ईस्ट कोस्ट (फ्लोरिडा से लेकर मिड-अटलांटिक तक) में खतरनाक समुद्री लहरें और रिप करंट्स आ सकते हैं।

ईमेल-फोटो डिलीट करने की चेतावनी इंग्लैंड ने जारी किया बड़ा फरमान

लंदन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। यूनाइटेड किंगडम में इंग्लैंड के कई हिस्सों में सूखा गहराता जा रहा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-जुलाई 2025 का समय 1976 के बाद का सबसे शुष्क रहा। यॉर्कशायर, मर्सीसाइड, ग्रेटर मैनचेस्टर, ईस्ट और वेस्ट मिडलैंड्स जैसे क्षेत्र गंभीर सूखा झेल रहे हैं। अगस्त तक चार लू और तेज गर्मी ने जल संकट और बढ़ा दिया है। पानी की बचत के लिए यॉर्कशायर जल, टेम्स जल और अन्य नेटवर्क में पाइप से पानी खर्च करने पर रोक लगी है। नेशनल ड्रॉट ग्रुप ने जनता से सहयोग की अपील की है।

पर्यावरण एजेंसी की अधिकारी हेलेन वेकहम ने कहा, "साधारण कदम जैसे नल बंद करना या पुराने ईमेल डिलीट करना भी इस सामूहिक प्रयास में मदद करता है।" हर ऑनलाइन ईमेल, फोटो और फाइल को स्टोर करने में ऊर्जा खर्च होती है, जो पानी की खपत से जुड़ी होती है। ऑक्सफोर्ड की स्टडी के अनुसार, 1 मेगावॉट डेटा सेंटर सालाना लगभग 2.6 करोड़ लीटर पानी ठंडा करने में इस्तेमाल करता है। बिजली उत्पादन में भी भारी मात्रा में पानी लगता है। एआई सिस्टम की बढ़ती मांग और नए डेटा सेंटरों की वजह से बिजली और पानी का दबाव और बढ़ गया है।

अमेरिका में मेटा का डेटा सेंटर स्थानीय पानी की खपत का 10% अकेले इस्तेमाल करता है। ब्रिटेन में भी बड़े डेटा सेंटर की योजना जल और ऊर्जा संकट की चिंता बढ़ा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईमेल डिलीट करने से पानी बचत नगण्य है। फिर भी सरकार इसे जागरूकता का कदम मान रही है। लोगों को लीक टॉयलेट ठीक करना, वर्षा जल संचयन, छोटे शॉवर, नल बंद करना और लॉन पर पानी कम खर्च करने की सलाह दी जा रही है। पानी कंपनियां अगले 5 साल में 700 मिलियन निवेश कर लीकेज कम करने की योजना बना रही हैं।

छोटी बहन के बच्चे का अपहरण का लाखों रुपये में बेचा

महिला समेत 5 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

दुर्ग, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अपने ही छोटी बहन के बच्चे का अपहरण का लाखों रुपये में बेचने के मामले में पुलिस ने महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। दुर्ग कसारीडीह की रहने वाली पीड़िता सुखारिंग बाई ने अपने 8 माह के बच्चे के अपहरण की शिकायत महिला थाने में दर्ज कराई।

जिसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से देखते हुए विशेष टीम बनाकर खोजबीन की गई। पीड़िता ने पुलिस को जानकारी दी कि उसकी बड़ी बहन संगनी पटना में आर्केस्टा में डांस करती है, उसने जून महीने में उसे बेटे के साथ पटना घूमने के लिया बुलाया था, जहां वह पांच दिन तक रुकी रही। जुलाई माह में छोटी बहन संगनी और उसके प्रेमी ने पीड़िता को ट्रेन का टिकट देकर दानापुर स्टेशन तक छोड़ने आए थे। और स्टेशन पर दोनों पीड़िता के 8 माह के बच्चे को गोद में लेकर खाना लाने के बहाना बनाकर गायब हो गए। इसी दौरान ट्रेन छूट गई। पीड़िता को बच्चे के अपहरण की आशंका हुई। उसने घर लौटने पर घटना की जानकारी अपने पति को दी। जिसके बाद महिला थाना में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने इस मामले में जांच पड़ताल शुरू की।

आरोपी संतोष पाल के मोबाइल नंबर के लोकेशन को खंगला गया। और आरोपी संतोष पाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जिसके बाद पुलिस ने संगनी बाई ,प्रदीप कुमार, डॉ। बादल और गौरी महतो को भी हिरासत में लिया गया।

मुस्लिम बनाने का सबसे बड़ा अड्डा बनता जा रहा है दुबई

सिर्फ छह महीने में 3,600 से ज्यादा लोग बने मुस्लमान

दुबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर ने 2025 के पहले छह महीनों में इस्लाम धर्म अपनाने की दिशा में बहुत तेजी से आगे बढ़ता दिख रहा है। इस अवधि में, 3,600 से अधिक व्यक्तियों ने इस्लाम धर्म स्वीकार किया, जो कि मोहम्मद बिन राशिद इस्लामिक कल्चरल सेंटर और इस्लामी मामलों और धर्मार्थ गतिविधियों विभाग (आईएसीएडी) की सक्रियता का परिणाम है।

यह आंकड़ा दुबई में सांस्कृतिक और धार्मिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। आईएसीएडी और मोहम्मद बिन राशिद सेंटर ने 2025 की पहली छमाही में 47 शैक्षिक और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनमें 1,400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य इस्लामिक संस्कृति को बढ़ावा देना और क्षेत्र में धार्मिक जागरूकता बढ़ाना था। सेंटर ने "सस्टेनेबल नॉलेज रूम" पहल के तहत 190 से अधिक लाभार्थियों को समर्थन प्रदान किया, जो नए धर्मांतरित व्यक्तियों को इस्लामिक शिक्षा और समुदाय में एकीकृत होने में सहायता करती है। दुबई में इस्लाम धर्म अपनाने की प्रक्रिया सरल और सुव्यवस्थित है। इच्छुक व्यक्ति को न्याय मंत्रालय या अन्य स्थानीय अधिकारियों के माध्यम से शहादा (विश्वास की घोषणा) करनी होती है। इसके बाद, आईएसीएडी द्वारा इस्लाम धर्म अपनाने का प्रमाणपत्र जारी किया जाता है, जो कि आधिकारिक दस्तावेज के रूप में कार्य करता है। प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों में पासपोर्ट की प्रति, पहचान पत्र, एक व्यक्तिगत फोटो और वीज़ा की प्रति शामिल हैं। आईएसीएडी इस्लामिक मामलों और धर्मार्थ गतिविधियों के लिए जिम्मेदार सरकारी निकाय है।

यह इस्लामिक शिक्षा, धार्मिक मार्गदर्शन, और समुदाय के बीच संवाद को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है। इनमें शरिया-आधारित फतवों की पेशकश, इस्लाम अपनाने के प्रमाणपत्र जारी करना, और शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है।

मुल्ला मुनीर की अफगान सरकार को खुली धमकी

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अफगान तालिबान को धमकी दी है। यही नहीं, असीम मुनीर ने भारत पर पाकिस्तान को अस्थिर करने का आरोप भी लगाया है। पाकिस्तान के एक सीनियर पत्रकार ने मुनीर के हवाले से यह दावा किया है। स्तंभकार सुहैल वराइच ने अपने लेख में बताया कि सेना प्रमुख ने हाल ही में ब्रसेल्स में उनसे व्यक्तिगत रूप से बात की थी। इस बातचीत में असीम मुनीर ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष, अफगान तालिबान और पाकिस्तान की राजनीति पर भी बात की। असीम मुनीर हाल ही में अमेरिका की यात्रा से लौटते समय बेल्जियम में रुके थे।

मुनीर ने भारत पर प्रॉक्सी के जरिए पाकिस्तान को अस्थिर करने का आरोप लगाया। मुनीर ने तालिबान को पाकिस्तान में घुसाने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि वह ऐसा करना बंद करे, वरना 'हर पाकिस्तान के खून का बदला लेना हमारा कर्तव्य है।' जंग के कॉलम में मुनीर के हवाले से कहा गया, 'हमने वर्षों से अफगानों पर दया और उपकार किया है, लेकिन बदले में उसे चुकाने के बजाय, भारत के साथ मिलकर हमारे खिलाफ साजिश रची रही है।

मछली फ्राई-मटन से लेकर दाल-चावल-पूड़ी तक शिबू सोरेन के संस्कार भोज में उमड़े लाखों लोग

रांची, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गुरु शिबु सोरेन के संस्कार भोज में, वहां पहुंचे आम से लेकर खास मेहमानों के लिए कुल 12 तरह के व्यंजन परोसे गए, जिसमे दाल, चावल, पूड़ी, आलू परवल की सब्जी , मिक्स भेज, मछली फ्राई, मटन, दही, रसगुल्ला, गुलाब जामुन, बुंदिया, पापड़, सलाद आदि शामिल था। इसके साथ ही गुरु जी शिबु सोरेन के पसंद की पकौड़ी भी बनी थी। करीब 2 लाख से ज्यादा लोगों का इंतजाम था और देर रात तक संस्कार भोज चलता रहा। संस्कार भोज में शाकाहारी खाने वाले आगंतुकों के लिए अलग व्यवस्था थी और मांसाहारी खाने वालों के लिए अलग व्यवस्था थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं संस्कार भोज में शामिल होने के लिए पहुंचे अति विशिष्ट ,विशिष्ट मेहमानों के साथ-साथ लाखों की संख्या में पहुंचे आगंतुकों से मिलकर उनके भोज खाने के संदर्भ में जानकारी हासिल कर रहे थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संस्कार भोज को लेकर रामगढ़ जिला के गोला प्रखंड के नेमरा गांव मे प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरीके से मुम्मल रखी गई थी। हर एक आगंतुकों के साथ-साथ व्यवस्थाओं पर निगरानी रखने के लिए धूमकुड़िया केंद्र में पुलिस कंट्रोल रूम बनाया गया था।

संस्कार भोज की सुरक्षा व्यवस्था में 10 आईपीएस अधिकारी, 60 डीएसपी, 65 इंस्पेक्टर और लगभग 2500 से ज्यादा की संख्या में पुलिस के जवान पूरी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में सुबह से ही लगे हुए थे। इसके साथ ही आगंतुकों के पार्किंग स्थल से लेकर नेमरा गांव के कार्यक्रम स्थल तक आने जाने के लिए 300 से अधिक ई रिक्शा की भी व्यवस्था की गई थी।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके संस्कार भोज में शामिल होने और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए न सिर्फ झारखंड के 24 जिले बल्कि झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, बिहार से भी बड़ी संख्या में लोग उनके पैतृक गांव नेमरा पहुंचे थे। सुबह 11:00 के बाद से ही आम लोगों को संस्कार भोज खिलाने का सिलसिला शुरू हो गया था जो देर रात तक चला। विशेष तौर पर तीन बड़े पंडाल बनाए गए थे जिसमें एक साथ बैठकर 5000 से ज्यादा लोग संस्कार भोज ग्रहण कर रहे थे। बता दें कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन का 4 अगस्त को दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। उनके निधन के बाद उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव नेमरा में हुआ था, जहां उनके मंझीले बेटे और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें मुखाग्नि दी थी। पिता को मुखाग्नि देने के बाद से ही लगातार पिछले 12 दिनों से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने गांव नेमरा में रहकर ही पारंपरिक विधि विधानों से उनके अंतिम संस्कार के कर्म का निर्वहन कर रहे थे।

एशिया कप में दिखेगा जसप्रीत बुमराह का जलवा, टीम में चयन हुआ पक्का?

नई दिल्ली , 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए खुद को उपलब्ध रखा है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह ने कुछ दिनों पहले चयनकर्ताओं से बात की थी और इस टूर्नामेंट में खेलने की जानकारी दी थी। बताया जा रहा है कि अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति 19 अगस्त को मुंबई में बैठक करेगी और एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय टीम चुनेगी।

एशिया कप का आयोजन यूएई में नौ से 28 सितंबर तक होगा। यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। सूत्रों ने कहा, बुमराह ने चयनकर्ताओं को बताया है कि वह एशिया कप के लिए उपलब्ध रहेंगे। जब चयन समिति के सदस्य अगले सप्ताह बैठक करेंगे तो वे इस पर चर्चा करेंगे।

इंग्लैंड दौरे पर बुमराह ने खेले थे तीन मैच

मालूम हो कि बुमराह कार्यभार प्रबंध के चलते इंग्लैंड दौरे पर पांच

खुद के उपलब्ध रहने की दी जानकारी

में से तीन टेस्ट मैच में ही खेले थे। उन्हें एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले रिलीज कर दिया गया था। इंग्लैंड दौरे पर बुमराह पहले टेस्ट मैच में खेले, जबकि दूसरे टेस्ट मैच से उन्हें आराम दिया गया। इसके बाद उन्होंने तीसरे और चौथे टेस्ट मैच में हिस्सा लिया, जबकि पांचवें टेस्ट मैच में नहीं खेले। टेस्ट सीरीज के दौरान बुमराह ने कुल 119.4 ओवर गेंदबाजी की और दो बार फाइव विकेट हॉल लिए।

लंबे समय बाद टी20 टीम में नजर आएंगे बुमराह

एशिया कप का आयोजन इस बार टी20 प्रारूप में होना है इसलिए बुमराह को लंबे स्पैल नहीं करने होंगे और टीम प्रबंधन के पास यह विकल्प भी होगा कि उन्हें किस मैच में आराम देना है। एशिया कप की शुरुआत और बुमराह के आखिरी बार खेलने में 40 दिनों का अंतराल होगा। बुमराह ने भारत के लिए आखिरी बार टी20 मुकाबला पिछले साल टी20 विश्व कप के फाइनल में खेला था, जहां भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराया था। बुमराह ने उस मैच में 18 रन देकर दो विकेट लिए थे।

कुछ दिनों पहले यूएई पहुंचेगी टीम

भारतीय टीम एशिया कप के लिए जल्द ही यूएई पहुंचेगी। टीम के ज्यादातर खिलाड़ी बिना मैच अभ्यास के एशिया कप में जाएंगे जिस कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम प्रबंधन से पूछा है कि क्या वे बंगलूरू में छोटा शिविर करना चाहेंगे। हालांकि, टीम प्रबंधन का मानना है कि थोड़ा पहले यूएई पहुंचना अच्छा रहेगा जिससे खिलाड़ी परिस्थितियों में ढल सकें। सूत्र ने कहा, शिविर लगाने के बजाय, टीम तीन-चार दिन पहले ही उड़ान भरेगी जिससे टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उन्हें अच्छा अभ्यास मिल सके।

'रोहित 45 की उम्र तक खेल सकते हैं' : योगराज

वनडे कप्तान के पांच साल और खेलने का समर्थन किया

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का मानना है कि रोहित शर्मा उस स्तर के खिलाड़ी हैं जो 45 साल की उम्र तक भी खेल सकते हैं। रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट प्रारूप को अलविदा कह दिया है, लेकिन वह अभी वनडे में खेलते हैं। इस पर चर्चा जोरों पर है कि क्या रोहित 2027 वनडे विश्व कप तक खेलना जारी रखेंगे?

रोहित आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते आए थे नजर

रोहित ने भारत के लिए आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन बनाए थे। रोहित को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। रोहित के खेलने या नहीं खेलने पर क्रिकेट विशेषज्ञों की अलग राय है क्योंकि उनकी फिटनेस बड़ा मुद्दा रही है। रोहित के भविष्य पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन योगराज ने रोहित के अगले पांच साल और खेलने का समर्थन किया है। मालूम हो कि रोहित वनडे के अलावा

आईपीएल में खेलते हैं।

योगराज ने एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए कहा, रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी हैं जिसके बारे में कई लोग बकवास करते हैं। वह जिस तरह बल्लेबाजी करते हैं, उसे देखिए। एक तरह उनकी बल्लेबाजी और दूसरी तरफ शेष टीम की बल्लेबाजी। एक तरफ उनकी पारी और दूसरी तरफ दुनिया में किसी अन्य बल्लेबाज की पारी। यह रोहित का क्लास है। आपको कहना चाहिए कि रोहिच आपकी हमें पांच साल और जरूरत है यार, इसलिए आप देश के लिए और भी योगदान दें। अपनी फिटनेस और सबकुछ पर मेहनत करें। चार आदमी उनके साथ लगाएं और सुबह 10 किमी तक दौड़ें। उनका स्तर ऐसा है कि अगर वह चाहें तो 45 साल की उम्र तक खेल सकते हैं।

घरेलू क्रिकेट में खेलने की दी सलाह

योगराज ने रोहित से खुद को फिट रखने के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलने की सलाह दी है। योगराज ने कहा, मेरा मानना है कि रोहित को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। वह जितना खेलेंगे, उतने ही फिट रहेंगे। फाइनल में कौन प्लेयर ऑफ द मैच रहा था? रोहित शर्मा, इसलिए आपको सिर्फ उसी बारे में बात करनी चाहिए जिसे आप जानते हैं। अगर आपको उनके खेल और फिटनेस के बारे में बात करनी है, तो तभी करें जब आप किसी स्तर पर खेले हों। क्या आपको इस तरह बात करने में शर्म आती है?

सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास किया

मुंबई, जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। अब वे 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी करेंगे। 34 साल के सूर्यकुमार 19 अगस्त को मुंबई में चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ मिलकर 15 सदस्यों वाली भारतीय टीम का सिलेक्शन करेंगे।

स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के बाद वापसी

सूर्यकुमार यादव ने जून 2025 में जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया (लोअर-राइट एब्डॉमेन) की सर्जरी करवाई थी। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब प्रोग्राम पूरा किया और अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन खत्म होने के बाद वे विशेषज्ञ से सलाह लेने के लिए यूनाइटेड किंगडम भी गए थे। उन्होंने सर्जरी के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था- 'लाइफ अपडेट, निचले-दाएं पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई। सर्जरी सुचारू रही और मैं रिकवरी की राह पर हूं। जल्द ही मैदान पर वापसी की उम्मीद है।'

सूर्यकुमार यादव ने IPL 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सीजन में 717 रन बनाए और मुंबई इंडियंस के लिए एक सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाने वाले सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे बल्लेबाज बने। भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई को एक ही ग्रुप में रखा गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग ग्रुप-बी में हैं। ग्रुप में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 1-1 मैच खेलेंगी। भारत 10 सितंबर को यूएई , 14 को पाकिस्तान और 19 को ओमान से भिड़ेगा। भारत और पाकिस्तान ने अगर सुपर-4 स्टेज में जगह बनाई तो दोनों टीमें फिर एक बार 21 सितंबर को आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान ने सुपर-4 स्टेज में टॉप किया तो दोनों के बीच टूर्नामेंट में तीसरा मुकाबला भी हो सकता है।

पंत के चोटिल होने के बाद बीसीसीआई ने किया बड़ा बदलाव घरेलू टूर्नामेंट में समान चोट स्थानापन्न नियम लागू

नई दिल्ली , 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी प्लेइंग कंडीशंस में बड़ा बदलाव किया है। बीसीसीआई आगामी घरेलू सीजन से नया नियम लागू करने जा रहा है जिससे अगर कई दिनों तक चलने वाले घरेलू टूर्नामेंट में कोई खिलाड़ी गंभीर रूप से चोटिल होता है तो उसकी जगह टीम को गंभीर चोट स्थानापन्न खिलाड़ी की अनुमति मिलेगी। हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज के दौरान ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स चोटिल हुए थे जिसके बाद बोर्ड ने यह फैसला लिया है।

बीसीसीआई ने राज्य संघों को नियम से कराया अवगत

बीसीसीआई ने राज्य संघों को नए नियम से अवगत कराते हुए कहा, अगर किसी खिलाड़ी को संबंधित मैच के दौरान गंभीर चोट लगती है तो निम्नलिखित परिस्थितियों में स्थानापन्न खिलाड़ी की अनुमति दी जा सकती है। यह गंभीर चोट खेल के दौरान और अनुच्छेद 1.2.5.2 में वर्णित खेल क्षेत्र के भीतर लगी होनी चाहिए। चोट किसी बाहरी झटके के कारण लगी होनी चाहिए और इसके परिणामस्वरूप फ्रैक्चर या गहरा कट आदि हुआ हो। इस चोट के कारण

खिलाड़ी बचे मैच के लिए अनुपलब्ध हो जाना चाहिए।

घरेलू सीजन से लागू होगा नियम

यह नियम सीनियर और जूनियर घरेलू टूर्नामेंटों के बहु-दिवसीय मुकाबलों में लागू होगा। इसकी शुरुआत 28 अगस्त से दलीप ट्रॉफी और अंडर-19 सीके नायुडू ट्रॉफी से होगी। मालूम हो कि पंत को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच के दौरान चोट लगी थी जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था, जबकि वोक्स को पांचवें टेस्ट में कंधे पर चोट लगी थी। इससे क्रिकेट सर्किल में यह चर्चा तेज हो गई थी कि अगर खिलाड़ी को गंभीर चोट लगी है तो टीम को रिप्लेसमेंट मिलना चाहिए। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर इसके पक्ष में थे, जबकि इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने इसका विरोध किया था। हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की इस पर मुहर लगनी जरूरी है।

विस्तृत तरीके से जानें गंभीर चोट स्थानापन्न नियम...

1.2.8.1: यदि किसी खिलाड़ी को संबंधित मैच के दौरान गंभीर चोट लगती है तो निम्नलिखित परिस्थितियों में गंभीर चोट स्थानापन्न की अनुमति दी जा सकती है..

1.2.8.1.1: गंभीर चोट खेल के दौरान और ऊपर अनुच्छेद 1.2.5.2 में वर्णित खेल क्षेत्र के भीतर लगी होनी चाहिए। चोट किसी बाहरी झटके के कारण लगी होनी चाहिए और फ्रैक्चर या गहरा कट आदि के कारण हुई होनी चाहिए। चोट के कारण खिलाड़ी बचे हुए मैच में भाग के लिए अनुपलब्ध होना चाहिए।

1.2.8.1.2: गंभीर चोट की सीमा और गंभीर चोट स्थानापन्न की अनुमति पर निर्णय लेने का अंतिम अधिकार मैदानी अंपायर का होगा। वे बीसीसीआई मैच रेफरी या मैदान पर उपलब्ध डॉक्टर से परामर्श कर सकते हैं।

1.2.8.1.3: टीम मैनेजर बीसीसीआई मैच रेफरी को एक फॉर्म पर गंभीर चोट स्थानापन्न अनुरोध प्रस्तुत करेगा जो :

1.2.8.1.3.1: उस खिलाड़ी की पहचान करें जिसे गंभीर चोट लगी है।

1.2.8.1.3.2: उस घटना का उल्लेख करें जिसमें गंभीर चोट लगी थी और जिसमें चोट लगने का समय भी शामिल है।

1.2.8.1.3.3: पुष्टि करें कि खिलाड़ी को गंभीर चोट लगी है और वह चोट के कारण मैच में आगे भाग नहीं ले पाएगा

1.2.8.1.3.4: अनुरोध किए गए खिलाड़ी की पहचान करें जो गंभीर चोट वाले खिलाड़ी का समान (लाइक टू लाइक रिप्लेस्मेंट) स्थानापन्न होगा।

1.2.8.2: अगर गंभीर चोट स्थानापन्न की अनुमति दी जानी है तो अनुच्छेद 1.2.8.1.3.2 में निर्दिष्ट घटना के बाद गंभीर चोट स्थानापन्न अनुरोध जल्द से जल्द बीसीसीआई मैच रेफरी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

ब्रेविस ने तोड़ा कोहली का ये रिकॉर्ड, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में हासिल की बड़ी उपलब्धि

कार्न्स, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मैच के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। ब्रेविस ने इस मैच में शानदार अर्धशतक लगाया। उन्होंने सीरीज के दूसरे मैच में 41 गेंदों पर शतक लगाया था, जबकि तीसरे मैच में 22 गेंदों पर अर्धशतक लगाने में सफल रहे। ब्रेविस ने 26 गेंदों पर एक चौका और छह छक्के की मदद से 53 रन की पारी खेली। ब्रेविस अपनी पारी के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके घर में टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।

ब्रेविस ने हार्डी पर जड़े लगातार चार छक्के

ब्रेविस ने इस मामले में भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ा। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर टी20 में 10 पारियों में 12 छक्के लगाए हैं। ब्रेविस अब उनसे आगे निकल गए हैं जिन्होंने तीन पारियों में ही 14 छक्के लगा दिए हैं। अपनी पारी के दौरान ब्रेविस ने आरोन हार्डी पर लगातार चार छक्के जड़े। हालांकि, भले ही वह उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

ऑस्ट्रेलिया ने जीती सीरीज

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में बल्ले से दमदार प्रदर्शन

किया जिसकी मदद से कंगारूओं ने दो विकेट से जीत दर्ज की। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 172 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने एक गेंद शेष रहते आठ विकेट पर 173 रन बनाकर मैच तथा सीरीज अपने नाम कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 49 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे, लेकिन एक बार फिर डेवाल्ड ब्रेविस की धुआंधार बल्लेबाजी देखने मिली।

ब्रेविस के अलावा वान डेर डुसेन ने 26 गेंदों पर तीन चौकों के सहारे नाबाद 38 रनों की पारी खेली जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 170 रन का स्कोर पार करने में सफल रही। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने मैक्सवेल और मार्श के दम पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

चोट से वापसी के बाद चमके लियोनल मेसी इंटर मियामी की जीत में दिया योगदान

फोर्ट लॉडरडेल, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने चोट से वापसी पर चमक बिखेरी और इंटर मियामी की जीत में योगदान दिया। दर्शकों के भारी समर्थन के बीच मेसी ने भी अपने प्रदर्शन से फैंस को निराश नहीं किया। स्टेडियम में लगातार मेसी... मेसी के नारे गूंजते रहे। मेसी ने मैच में एक गोल किया, जबकि एक गोल करने में मदद की जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) फुटबॉल टूर्नामेंट में एलए गैलेक्सी पर 3-1 से जीत दर्ज की।

मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। इंटर मियामी उनके बिना लीग कप क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया, लेकिन एमएलएस मुकाबले में उसे अपने राज्य के प्रतिद्वंद्वी ऑरलैंडो सिटी से 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना के सुपरस्टार मेसी ने हमवतन रोड्रिगो डी पॉल की मदद से गोल करके दर्शकों को रोमांचित किया। मैच के बाद मियामी के डिफेंडर मैक्सिमिलियानो फाल्कन ने मेसी की तारीफ करते हुए कहा, हमें इसकी आदत हो गई है। आपने देखा होगा कि उसने क्या किया, गोल पर साफ नजर रखते हुए गेंद हासिल की और गोल कर दिया।

दिल्ली प्रीमियर लीग में चमक बिखेर रहे यश ढुल खुद को मिले मौकों का उठाना चाहते हैं फायदा

नई दिल्ली, जुलाई (एजेंसियां)। भारत को अपनी कप्तानी में अंडर-19 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले यश ढुल दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में चमक बिखेर रहे हैं। ढुल ने शनिवार को बारिश से प्रभावित इस मैच में शतक जमाया जिससे सेंट्रल

दिल्ली किंग्स ने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 15 रन से हराया। ढुल का कहना है कि वह शीर्ष स्तर के क्रिकेट में जगह बनाने के अपने सपने को पूरा करने के लिए खुद को मिले अवसरों का फायदा उठाना चाहते हैं।

हृदय की सर्जरी के कारण ढुल को लेना पड़ा था ब्रेक

पिछले वर्ष जुलाई में एक जन्मजात समस्या के कारण हृदय की सर्जरी के कारण ढुल को विश्राम लेना पड़ा और उसके बाद उन्होंने मजबूत वापसी करने पर ध्यान केंद्रित किया। यश ढुल ने कहा, मैं इस बारे में सोचता हूं कि मुझे जो अवसर मिला है उसका मैं कैसे फायदा उठाऊं। अगर आप भविष्य के बारे में बहुत ज्यादा सोचते हैं तो आप वर्तमान में अच्छा नहीं खेल सकते। मैं केवल मौजूदा अवसरों पर ध्यान केंद्रित करता हूं। मैं लाल गेंद से भी अभ्यास कर रहा हूं। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (अब बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) में सफेद गेंद से लाल गेंद के क्रिकेट में बदलाव के बारे में जो सीख मिली उससे मुझे काफी फायदा मिल रहा है।

ढुल बोले- खुद को मानसिक रूप से मजबूत रखा

यश ढुल ने कहा, उस घटना ने मेरी बहुत मदद की क्योंकि मुझे पता चला कि मैं क्या कर सकता हूं। उस समय कोई भी मेरे साथ नहीं खड़ा था। मुझे पता था कि मैं अकेला हूं और मेरे पास अच्छी वापसी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। मैंने बस खुद को मानसिक रूप से मजबूत रखा। मुझे खुद पर भरोसा था। मुझे पता था कि मैं एक दिन फिर से खेलूंगा और मुझे पता था कि कैसे खेलना है और कैसे खेलूंगा।

वर्ल्ड नंबर-1 सिनर सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में

खिताबी मुकाबले में अल्काराज से होगा सामना

स्पोर्ट्स डेस्क, 18 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर ने अपने 24वें जन्मदिन पर सिनसिनाटी ओपन में शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने सेमीफाइनल में फ्रेंच क्वालिफायर टेरेंस एटमेन को 7-6, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब फाइनल में सिनर का मुकाबला स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्काराज से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-4, 6-3 से मात दी। सिनर और अल्काराज के बीच अब तक 13 मैच खेले जा चुके हैं। इसमें अल्काराज ने 8 बार जीत दर्ज की है जबकि सिनर ने 5 में बाजी मारी है।

एटमेन ने फ्रिट्ज-रूने को हराया था

सिनर ने पूरे मैच में बेहतरीन सर्विस की और पहले सेट में एक भी ब्रेक प्वॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। दूसरी ओर, एटमेन का यह टूर्नामेंट किसी सपने जैसा रहा, जहां उन्होंने टेलर फ्रिट्ज और होल्गर रूने जैसे खिलाड़ियों को हराकर सबको चौंकाया। मैच से पहले एटमेन ने सिनर को जन्मदिन पर एक पिकाचु वाला पोकेमॉन कार्ड गिफ्ट किया।

सिनर ने अल्काराज को हराकर विम्बलडन जीता था

सिनर ने पिछले महीने विम्बलडन के मेंस सिंगल्स में अल्काराज को हराकर खिताब जीता था। वे विम्बलडन चैंपियनशिप का मेंस सिंगल्स टाइटल जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने थे। इस जीत के साथ सिनर ने अल्काराज से 5 हफ्ते पुराना हिसाब भी चुकता कर लिया था। 8 जून 2025 को अल्काराज ने सिनर को हराकर फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था।

स्वियातेक से भिड़ेंगी रायबाकिना

विमेंस कैटेगरी में एलेना रायबाकिना ने आर्यना सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। उन्होंने सबालेंका को 6-1, 6-4 से हराया। रायबाकिना का सामना इगा स्वियातेक से होगा।

इंडियन सुपर लीग के 11 क्लबों ने एआईएफएफ को पत्र लिखकर दी चेतावनी, गतिरोध का हल नहीं निकलने पर जताई चिंता

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 11 क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को चेतावनी दी है कि अगर इस शीर्ष-स्तरीय घरेलू प्रतियोगिता के भविष्य को लेकर चल रहे गतिरोध का जल्द ही हल नहीं किया गया तो क्लबों के पूरी तरह से बंद होने का वास्तविक संकट बना रहेगा। आईएसएल का गतिरोध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है जिस कारण चिंता बनी हुई है।

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है। क्लबों ने पत्र में कहा, पिछले 11 वर्षों में निरंतर निवेश और लगातार प्रयास के माध्यम से क्लबों ने युवा विकास प्रणालियां, प्रशिक्षण अवसंरचना, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रम और पेशेवर टीमें बनाई हैं। इन टीमों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की फुटबॉल साख को बढ़ाया है। यह प्रगति अब पतन की ओर बढ़ने लगी है। मौजूदा परिस्थितियों ने तत्काल और गंभीर परिणाम उत्पन्न किए हैं। मौजूदा समय में संचालन निलंबित होने और लीग की निरंतरता पर कोई निश्चितता नहीं होने के कारण कई क्लबों को पूरी तरह से बंद होने की वास्तविक संभावना का सामना करना पड़ रहा है।

अनिश्चितकाल के लिए रुका है आईएसएल का सत्र

एफएसडीएल ने एमआरए पर हस्ताक्षर नहीं होने का हवाला देते हुए 2025-26 सत्र को 11 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए रोकने की घोषणा की थी जिसके बाद मौजूदा स्थिति उत्पन्न हुई है। इसके बाद कम से कम तीन क्लबों ने अपनी मुख्य टीम के संचालन को रोक दिया है या खिलाड़ियों और कर्मचारियों के वेतन को निलंबित कर दिया है। क्लबों ने लिखा, यह केवल प्रशासनिक गतिरोध नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए एक अस्तित्व का संकट है।

हम आपको सबसे गंभीर परिस्थितियों में लिख रहे हैं। लीग की अनिश्चितता के कारण पिछले एक दशक से प्रशंसकों, प्रायोजकों, निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल निकायों के साथ बड़ी मेहनत से बनाया गया विश्वास पर खतरा मंडरा रहा है। इससे लीग को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी।

सरसों, गुड़ और चूने से बनी है प्राचीन विष्णु मूर्ति

22 फीट लंबे शेषनाग पर शयन मुद्रा में हैं भगवान

आदिकेशव पेरुमल मंदिर

तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में तिरुवत्तार में बसा आदि केशव पेरुमल मंदिर एक प्राचीन और आध्यात्मिक स्थल है. यहां भगवान विष्णु आदि केशव पेरुमल के रूप में 22 फीट लंबे शेषनाग पर भुजंग शयन मुद्रा में विराजमान हैं. इस मंदिर की अनूठी वास्तुकला, ऐतिहासिक महत्व और आध्यात्मिक आभा इसे दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक बनाती है।

अनंत पद्मनाभस्वामी मंदिर से मिलती-जुलती वास्तुकला

आदिकेशव पेरुमल मंदिर पहले त्रावणकोर राज्य का हिस्सा था और अब तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ न्यास विभाग के अधीन है. इसकी केरल शैली की वास्तुकला तिरुवनंतपुरम के प्रसिद्ध अनंत पद्मनाभस्वामी मंदिर से मिलती-जुलती है. मंदिर के गर्भगृह तक 18 सीढ़ियां चढ़कर पहुंचा जाता है. मंदिर परिसर में सुंदर भित्ति चित्र, मूर्तियां और पेंटिंग्स इसकी शोभा को और बढ़ाते हैं।

आदिकेशव पेरुमल मंदिर का आध्यात्मिक महत्व इसके रीति-रिवाजों और परंपराओं में झलकता है, जो पद्मनाभस्वामी मंदिर से काफी हद तक समान हैं. खास बात यह है कि दोनों मंदिरों की मुख्य मूर्तियां एक-दूसरे की ओर मुख करके स्थापित हैं. आदि केशव पेरुमल पश्चिम की ओर है और पद्मनाभस्वामी पूर्व की ओर है. यह प्रतीकात्मक व्यवस्था दोनों मंदिरों के बीच गहरे आध्यात्मिक जुड़ाव को दिखाती है. मंदिर में वैकुंठ एकादशी का त्योहार सबसे प्रमुख है, जिसे भक्त बड़ी धूमधाम और भक्ति के साथ मनाते हैं. इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं।

सरसों, गुड़ और चूने से बनी है विशाल मूर्ति

मंदिर की विशाल मूर्ति का निर्माण सरसों, गुड़ और चूने से हुआ है. यह मूर्ति न केवल कला का उत्कृष्ट नमूना है, बल्कि प्राचीन शिल्पकला की तकनीक को भी दिखाती है. मंदिर का परिसर शांत है. यहां की दीवारों पर उकेरे गए चित्र और मूर्तियां दक्षिण भारतीय कला और संस्कृति की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करते हैं।

मूर्ति पर पड़ती हैं सूर्य की किरणें

यह मंदिर द्रविड़ वास्तुकला पर आधारित है, लेकिन इसमें लकड़ी की छतें, स्तंभ और द्वार हैं. मंदिर में देवी मरागाथावल्ली थायर की मूर्ति और लक्ष्मी नरसिंहमूर्ति के लिए एक अलग मंदिर भी है. यही नहीं, मंदिर में लगभग 18 फीट चौड़ा और 3 फीट ऊंचा एक ही पत्थर से बना ओत्रैकल मंडपम भी है. मान्यता है कि मार्च से अप्रैल और सितंबर से अक्टूबर तक सूर्य की किरणें सीधे इस मूर्ति पर पड़ती हैं।

त्रेता युग में हुई थी स्थापना

इसके साथ ही शिलालेखों में मंदिर की स्थापना से संबंधित उल्लेख मिलता है. शिलालेखों के अनुसार, इसकी स्थापना त्रेता युग में हुई थी. ऐसा माना जाता है कि गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय के संस्थापक चैतन्य महाप्रभु ने मंदिर में ब्रह्म संहिता की खोज की थी. 2500 वर्ष पूर्व निर्मित मंदिर का उल्लेख महर्षि वेदव्यास के रचित वैष्णव पुराण, पद्म पुराण में भी मिलता है।

आदि केशव पेरुमल मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यटकों के लिए भी एक आकर्षण का केंद्र है. तमिलनाडु पर्यटन विभाग इसे कन्याकुमारी के प्रमुख स्थलों में से एक के रूप में जगह देता है।

किस्मत चमकानी है और जीवन में तरक्की पाना चाहते हैं?

तो अपनाइए ये 10 आसान आदतें

1. सुबह उठते ही हथेलियों का दर्शन

सुबह आंख खुलते ही सबसे पहले अपनी दोनों हथेलियों को देखना और फिर उन्हें चेहरे पर लगाना बहुत शुभ माना जाता है. मान्यता है कि हथेलियों में लक्ष्मी, सरस्वती और विष्णु का वास होता है. ऐसा करने से दिन की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ होती है।

2. सूर्योदय से पहले उठना

जल्दी उठना न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि ये दिनभर के लिए उत्साह और ताजगी भी देता है. सूर्योदय से पहले का समय ध्यान, प्रार्थना और योजना बनाने के लिए सबसे अच्छा माना गया है।

3. उगते सूर्य का दर्शन

सुबह-सुबह उगते सूर्य की रोशनी देखने से शरीर में विटामिन D की पूर्ति होती है और मन में जोश आता है. इसे आशीर्वाद की तरह ग्रहण करें और मन ही मन दिन के लिए आभार व्यक्त करें।

4. पक्षियों को दाना डालना

हर सुबह एक मुट्ठी अनाज पक्षियों के लिए डालना न सिर्फ पुण्य का काम है बल्कि ये प्रकृति के प्रति आपका आभार भी दर्शाता है. पक्षियों का चहचहाना घर में सकारात्मकता लाता है।

5. चींटियों को भोजन देना

सप्ताह या महीने में एक बार आटा या गुड़ चींटियों को डालना शुभ माना जाता है. माना जाता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और मन में दया भाव बढ़ता है।

6. मंदिर या पूजा स्थान पर खाली हाथ न जाएं

जब भी मंदिर जाएं, फल, फूल, मिठाई या नारियल जैसे प्रसाद लेकर जाएं. यह भाव दर्शाता है कि आप भगवान को अपना मानते हैं और पहले उन्हें अर्पित कर रहे हैं।

7. भगवान को पहला निवाला अर्पित करें

घर में फल, मिठाई या खाना बनाते समय सबसे पहले थोड़ा सा हिस्सा भगवान को भोग लगाएं, फिर परिवार में बांटें. इससे भोजन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

8. बाल और नाखून काटने का नियम

बुधवार और शुक्रवार को बाल और नाखून काटने का नियम अपनाएं. यह सिर्फ साफ-सफाई ही नहीं, बल्कि पारंपरिक मान्यता के अनुसार भी शुभ है।

9. गाय की सेवा

रोज़ाना गाय को रोटी नहीं खिला सकते तो अमावस्या के दिन गौशाला में गेहूं और गुड़ दान करें. यह बहुत पुण्यदायी माना जाता है और भाग्य को मजबूत करता है।

10. रसोई में कलश रखना

रसोई के उत्तर दिशा में पानी से भरा कलश रखना शुभ और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है. यह घर में सुख और संपन्नता लाता है।

किचन के लिए वास्तु शास्त्र अनुसार कौन से रंग सही माना जाता है

किचन के लिए वास्तु के अनुसार सबसे अच्छे रंग

1. हरा – हरा रंग ताजगी, संतुलन और शांति का प्रतीक है, ये रंग किचन में पॉजिटिव माहौल बनाने के लिए बहुत अच्छा होता है. यह आंखों को सुकून देता है और खाने-पीने की आदतों में भी सुधार ला सकता है।

2. सफेद– सफेद रंग से किचन खुला और साफ-सुथरा दिखता है. यह शांति और पवित्रता का संकेत देता है, अगर आप चाहते हैं कि किचन में साफ़गोई और सकारात्मक माहौल बना रहे, तो सफेद एक बेहतरीन ऑप्शन है।

3. पीला –पीला रंग ऊर्जा और खुशी का प्रतीक माना जाता है. हल्के पीले से लेकर गहरे नींबू रंग तक की शेड्स किचन को न सिर्फ फ्रेश लुक देती हैं बल्कि भूख भी बढ़ाती हैं।

4. हल्का भूरा – ये रंग स्थिरता और घरेलूपन का अहसास देता है, अगर आप एक शांत, पारिवारिक माहौल चाहते हैं, तो हल्का भूरा रंग बढ़िया रहेगा।

5. पीच – पीच रंग नरम और आरामदायक महसूस कराता है. यह रंग बातचीत को बढ़ावा देता है और एक सुकूनभरा माहौल बनाता है. आपकी घड़ी आपकी बॉडी की एनर्जी को ब्लॉक कर सकती है! आपकी घड़ी आपकी बॉडी की एनर्जी को ब्लॉक कर सकती है!

किचन के अलग-अलग हिस्सों में कौन से रंग चुनें?

1. प्लेटफॉर्म के लिए रंग:

प्लेटफॉर्म हल्के रंगों का होना चाहिए जैसे सफेद, क्रीम या हल्का ग्रे. इससे सफाई बनी रहती है और किचन खुला लगता है।

2. कैबिनेट्स के रंग:

हल्के पीले, क्रीम या हरे रंग के कैबिनेट्स वास्तु के अनुसार बेहतर माने जाते हैं, ये साफ-सुथरे दिखते हैं और किचन में संतुलन बनाए रखते हैं।

3. फ्लोरिंग का रंग:

फर्श पर बहुत डार्क रंग से बचें. हल्का भूरा, क्रीम या हल्के गुलाबी रंग बढ़िया माने जाते हैं. ये रंग स्थिरता और ग्राउंडेड महसूस कराते हैं।

4. टाइल्स का रंग:

टाइल्स के लिए हल्के नीले, हरे या सफेद रंग का इस्तेमाल करें, ये रंग साफ-सफाई का अहसास देते हैं और रोशनी को बेहतर तरीके से रिफ्लेक्ट करते हैं।

किन रंगों से बचना चाहिए?

1. बहुत गहरे रंग

काला, नेवी ब्लू या डार्क ग्रे जैसे रंग किचन को छोटा और भारी महसूस कराते हैं, ये आग्नेय तत्व को असंतुलित कर सकते हैं।

2. तेज़ लाल और गहरा भूरा:

तेज़ लाल रंग किचन में गुस्सा और तनाव ला सकता है. वहीं गहरा भूरा रंग भारीपन देता है जो नेगेटिव ऊर्जा को बढ़ा सकता है।

3. चटक और नीयॉन रंग:

बहुत ज़्यादा चटक या नीयॉन रंग आंखों को चुभते हैं और किचन के शांत माहौल को बिगाड़ सकते हैं।

मूलांक 2 वालों को मिलेगी प्रॉपर्टी, अंक 6 का बढ़ेगा वेतन, 7 वाले खरीदेंगे नई गाड़ी!

अंक 1 (किसी भी महीने की 1, 10, 19 और 28 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते है की अदालतों में चल रहा कोई कानूनी विवाद आपके मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है. आज आप अपने गुस्से पर काबू पाने में संघर्ष कर रहे हैं. इस समय मुक़दमेबाज़ी की आशंका है. आप व्यापार को आनंद के साथ जोड़ने में कामयाब रहेंगे. दिल के मामले अब सुलझ जाएँगे. आपका भाग्यशाली अंक 3 है और आपका भाग्यशाली रंग पीला है।

अंक 2 (किसी भी महीने की 2, 11, 20 और 29 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते है की इस समय आपके पिताजी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. आज अनावश्यक बहस में न पड़ें. संपत्ति की खरीदारी को अंतिम रूप देने के लिए यह अच्छा समय है. अगर आपकी पदोन्नति होने वाली है, तो यह आपके लिए एक बड़ा दिन हो सकता है. आपके जीवनसाथी और भाई-बहनों के साथ आपके रिश्ते मधुर और दूर-दूर तक रहेंगे. आपका भाग्यशाली अंक 11 है और आपका भाग्यशाली रंग नारंगी है।

अंक 3 (किसी भी महीने की 3, 12, 21 और 30 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते है की उच्च पदस्थ व्यक्ति आपके करियर की संभावनाओं को बढ़ाएँगे. किसी माँ तुल्य व्यक्ति से अप्रत्याशित मदद मिल सकती है. सावधान रहें! कोई आपको धोखा देने की कोशिश कर रहा है; अतिरिक्त सावधानी बरतें. आप थोड़ा निराश और हताश महसूस कर रहे हैं, और इससे आपके व्यवसाय को नुकसान हो रहा है. दिन प्यार और हँसी से भरा रहेगा, और आपको अपने साथी की संगति में भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी. आपका भाग्यशाली अंक 18 है और आपका भाग्यशाली रंग लाल है।

अंक 4 (किसी भी महीने की 4, 13, 22 और 31 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते है की अपनी लंबित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए मुश्किल लोगों के साथ मिलकर काम करें. बच्चों से जुड़ी बुरी खबर आपके दिन को खराब कर सकती

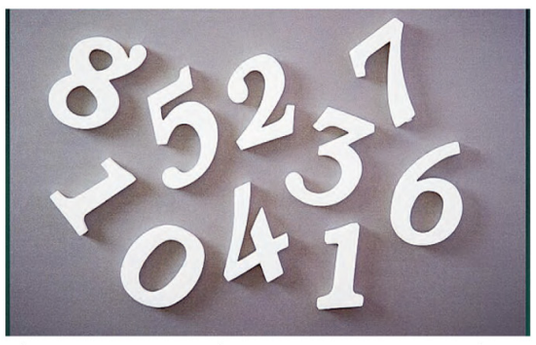

है. आपकी शारीरिक और मानसिक ऊर्जा चरम पर है, जिससे आपको सर्वशक्तिमान होने का एहसास हो रहा है. इस समय आप सही निवेश निर्णय लेंगे; बस आत्मविश्वास बनाए रखें. रोमांस के लिए यह एक अच्छा दिन है, और आपके साथी के साथ आपका रिश्ता भावनात्मक रूप से संतोषजनक रहेगा. आपका भाग्यशाली अंक 15 है और आपका भाग्यशाली रंग मैरून है।

अंक 5 (किसी भी महीने की 5, 14 और 23 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते है की जिन लोगों पर आपने पूरा भरोसा किया था, उन्होंने आपको निराश किया है. आज आपको पछतावा हो रहा है और आप अपनी गलती सुधारना चाहते हैं. आपके प्रतिद्वंदी सक्रिय हैं, लेकिन आप चतुराई और कूटनीति से उन्हें शांत कर सकते हैं. आय में उतार-चढ़ाव के दौर में भाग्य आपका साथ दे रहा है. आपके जीवनसाथी के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हैं; हो सकता है कि आपको एक-दूसरे से कुछ समय दूर रहने की ज़रूरत हो. आपका भाग्यशाली अंक 4 है और आपका भाग्यशाली रंग हरा है।

अंक 6 (किसी भी महीने की 6, 15 और 24 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते है की दोस्त और करीबी रिश्तेदार आपकी मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे. आपके परिवार की महिलाओं का स्वास्थ्य आज ठीक नहीं रहेगा. दिन के अंत में आपको कुछ शारीरिक तकलीफ़ हो सकती है. आज आपको वेतन वृद्धि मिल सकती है, जिससे आप अच्छा महसूस करेंगे. सेक्स के प्रति आपके रवैये में त्याग का भाव रहेगा, जो इस समय आपको एक बोझिल काम से ज़्यादा कुछ नहीं लगेगा. ज़्यादा साहसी बनें. आपका भाग्यशाली अंक 4 है और आपका भाग्यशाली रंग बैंगनी है।

अंक 7 (किसी भी महीने की 7, 16 और 25 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते है की भविष्य की योजना बनाने के लिए यह एक आदर्श दिन है. बच्चों से जुड़ी कोई बुरी खबर आपके दिन को खराब कर सकती है. कार या किसी भी तरह का वाहन खरीदने के लिए यह उपयुक्त समय है. इस समय पैसा कमाना और अपने करियर को आगे बढ़ाना आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण है. किसी ऐसे व्यक्ति से अलगाव की संभावना है जिसकी आप परवाह करते हैं. आपका भाग्यशाली अंक 18 है और आपका भाग्यशाली रंग केसरिया है।

अंक 8 (किसी भी महीने की 8, 17 और 26 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते है की आपको सलाह दी जाती है कि आप जो भी काम करें, उसमें बहुत धैर्य और दृढ़ संकल्प रखें. आज आप बेफिक्र मूड में हैं. इस समय मुकदमेबाजी की संभावना है. विदेशी व्यापार संबंध उतने उत्साहजनक नहीं हैं. आपका किसी प्रियजन के साथ झगड़ा हो जाता है, लेकिन आप जल्द ही सुलह कर लेते हैं. आपका भाग्यशाली अंक 1 है और आपका भाग्यशाली रंग मैजेंटा है.

अंक 9 (किसी भी महीने की 9, 18 और 27 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते है की इस समय भाई-बहनों के रिश्ते तनावपूर्ण हैं. दिन भर एक सामान्य असंतोष की भावना बनी रहेगी. आग या गर्म वस्तुओं को संभालते समय सावधानी बरतें. दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत आपको कुछ बड़ी सफलताएँ दिलाने में मदद करेगी. आपके साथी के साथ आपके रिश्ते थोड़े उतार-चढ़ाव भरे रहेंगे. आपका भाग्यशाली अंक 8 है और आपका भाग्यशाली रंग आसमानी नीला है।

सिरोही में भगवान कृष्ण के इन प्रसिद्ध मंदिरों को लेकर है खास मान्यताएं

सिरोही जिला के उमरणी गांव से करीब 3 किलोमीटर दूर जंगल में करीब 5 हजार वर्ष से भी ज्यादा पुराना ऋषिकेश मंदिर है. मान्यता है कि यहां राजा अम्बरीश ने तपस्या कर भगवान विष्णु को बुलाया था और भगवान से उनके ऋषिकेश अवतार में विराजमान होने का वर मांगा था।

ऋषिकेश मंदिर

भक्तों में एक मान्यता ये भी है कि भगवान कृष्ण ने मथुरा से द्वारिका नगरी जाते समय यहां विश्राम किया था. इस वजह से इस मंदिर को आदिद्वारिका के नाम पहचाना जाता है. यहां विराजमान भगवान की प्रतिमा के चारों तरफ भगवान विष्णु के 10 अवतार स्थापित है।

मधुसूदन मंदिर, मूंगथला

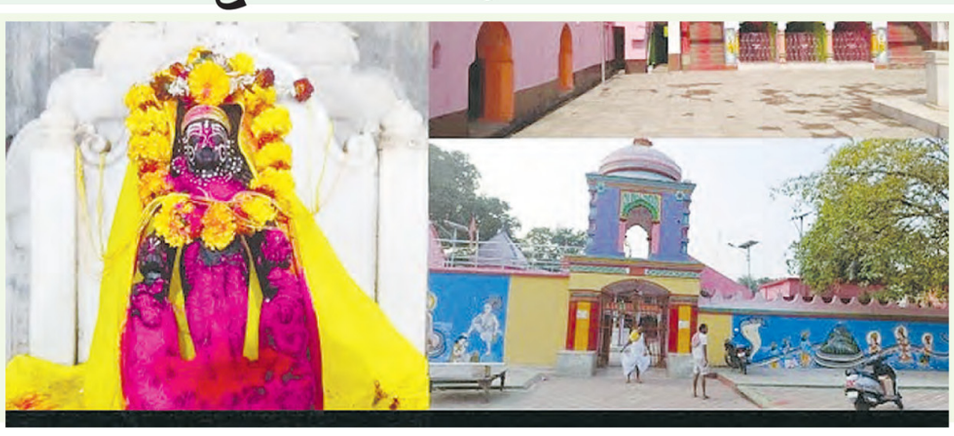

सिरोही जिले के मूंगथला गांव में भगवान के मधुसूदन स्वरूप का अतिप्राचीन मंदिर है. यहां मंदिर के बाहर लगा एक प्राचीन द्वार भगवान कृष्ण के समय का माना जाता है. मंदिर के अंदर करीब 4 फिट की काले पत्थर की भगवान कृष्ण की मधुसूदन स्वरूप में प्रतिमा स्थापित है।

मंदिर के भक्त आनंद माली ने बताया कि भगवान कृष्ण जब अपने विमान में द्वारिका नगरी जा रहे थे. तब यहां ऋषि मुनि तपस्या कर रहे थे।

इस दौरान इस द्वार को मंत्रों की शक्ति से यहां उतारा गया था. गेट पर बारीकी से कलाकृतियां बनी हुई हैं. मुगल सेना के हमले के समय यहां की कुछ प्रतिमाएं और गेट को खंडित किया गया था।

पाटनारायण मंदिर, गिरवर

जिले के गिरवर गांव में बना प्राचीन पाटनारायण मंदिर सैकडों वर्ष पुराना है. मंदिर का निर्माण महाराजा अम्बरीष की पटरानी ने करवाया था. यहां भगवान नारायण (विष्णु) की अकेली प्रतिमा प्रतिष्ठित होने से इनका नाम पटनारायण रखा गया।

यहां लगे एक शिलालेख से इस मंदिर के इतिहास का पता लगता है. महाराजा अम्बरीष व उनके वंशज तथा राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि अनेकों प्रांतों के राजा इस तीर्थ धाम में पाटोत्सव मनाते थे. मंदिर में 2100 किलोग्राम का विशाल घंटा भी लगा है. जिसकी आवाज करीब 3-4 किलोमीटर दूर तक सुनाई देती है।

बदल रहे हैं महिला किरदार : दीपिका पादुकोण

शाहरुख खान के साथ फिल्म 'ओम शांति ओम' से बॉलीवुड में अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली दीपिका पादुकोण अब तक कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही है। पिछली बार वह निर्देशक रोहित शैट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आई थी। हालांकि, हाल के दिनों में दीपिका कई वजहों से सुर्खियों में रही। इनमें से एक थी कि फेमस डायरैक्टर संदीप रैड्डी वांगा ने दीपिका को अपनी अगली फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर करके उसकी जगह तृप्ति डिमरी को कास्ट कर लिया। इसके बाद दीपिका को फिल्म 'कल्कि 2' से भी बाहर कर देने की अटकलें लगने लगी थीं।

कहा गया कि दीपिका ने भारी-भरकम फीस की डिमांड की थी और उसने शूटिंग के लिए रोज केवल 7 से 8 घंटे ही देने की बात भी कही थी। काम के समय को लेकर उसकी शर्त की वजह से ही उसे फिल्मों से निकालने की बात कही जा रही है। दरअसल, दीपिका ने गत वर्ष ही एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया। बेटी दुआ के जन्म के कुछ समय पहले से ही दीपिका ने काम से ब्रेक ले लिया था। अब वह दोबारा काम शुरू करने की प्लानिंग बना रही है लेकिन वह नहीं चाहती कि काम में इतनी अधिक बिजी हो जाए कि वह अपनी बेटी को समय न दे सके। इसी वजह से उसने फैसला किया है कि अब जिस भी फिल्म में काम करेगी, उसकी शूटिंग के लिए रोज सीमित समय ही देगी।

दीपिका इस समय अपने करियर के उस मुकाम पर है, जहां वह अपनी शर्तों पर काम कर सकती है । वह महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाने से लेकर डिप्रैशन को लेकर भी जागरूकता फैलाती रही है ।

दीपिका ने हाल ही में बताया कि महिला किरदारों का विकास हुआ है और अब उनका इस्तेमाल सिर्फ दिखावे या फिल्मों में उनकी कामुकता के लिए नहीं किया जाता। उसने कहा कि वह इस विकास का हिस्सा रही है और उसका मानना है कि ये फिल्में और किरदार आज समाज में बदलाव लाने में सक्षम हैं।

उसके अनुसार, "महिला किरदारों का विकास हुआ है और जिस तरह से उन्हें आज लिखा जा रहा है, वह उस समय से अलग है, जब मैंने एक दशक पहले शुरुआत की थी। और मुझे लगता है कि इसी बदलाव ने मुझे अपने द्वारा निभाए जाने वाले विभिन्न किरदारों में अलग-अलग पहलू लाने के लिए प्रेरित किया है। आप जानते हैं, यह कोई दीपिका ने अपने प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे अपने लिए कुछ पल निकालें । दीपिका हमेशा से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने के लिए सबको प्रेरित करती रही है।

साइन की हैं बड़ी फिल्में

कुछ फिल्मों से बाहर किए जाने का उसके करियर पर कोई असर पड़ता दिख नहीं रहा क्योंकि उसकी झोली में कुछ बड़ी फिल्में आ चुकी हैं । उसको अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की फिल्म 'एए22 एक्सए 6 ' के लिए साइन कर लिया गया है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह फिल्म में एक योद्धा का किरदार निभाएगी, जो घोड़े पर सवार होती है और जिसे तलवार चलाने में महारत हासिल है। फिल्म का बजट 800 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। दीपिका फिर पर्दे पर शाहरुख के साथ धमाल मचाती दिखेगी। दोनों फिल्म 'किंग' में साथ नजर आने वाले हैं। वह शाहरुख के साथ ही ' पठान 2' करेगी और फिल्म 'द इंटर्न' को प्रोड्यूस भी करने जा रही है।

ज्यादातर हीरोइनें फिल्मों में सिर्फ सजावट' या दिखावे का काम करती हैं या बस थोड़ी-सी कॉमेडी या थोड़ी-सी कामुकता का तड़का लगाती हैं। मुझे लगता है कि आज महिला किरदारों की आवाज बनना, वास्तव में बदलाव लाना, विकास को खुद देखा है । मैंने इस सैल्फ लव पर भी की बात इस बीच दीपिका ने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह मास्क लगाए नजर आ रही थी। इस तस्वीर के साथ उसने सैल्फ केयर के महत्व पर एक संदेश भी लिखा, 44 'मेरे लिए सैल्फ केयर उन छोटे-छोटे रोजमर्रा के कार्यों को अपनाने बारे में है, जो खुशी लाते हैं ।

'शोले' को किया 'गॉडफादर' से कंपेयर

जय-वीरू-बसंती के किरदार को लेकर हेमा मालिनी ने कही अहम बात

बॉलीवुड की सबसे मशहूर फिल्म 'शोले' को रिलीज हुए आज पूरे 50 साल हो गए हैं। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी, जया बच्चन और अमजद खान जैसे सितारों ने शानदार अभिनय किया था। आज भी यह फिल्म अपनी कहानी, संवादों और किरदारों के लिए जानी जाती है। इस मौके पर हेमा मालिनी ने कहा कि 'शोले' का रीमेक बनाया जा सकता है, लेकिन उसकी सफलता को दोहराना बहुत मुश्किल है।

रीमेक बन सकता है, लेकिन...

हेमा मालिनी ने कहा, शोले का रीमेक बन सकता है। नए कलाकार जय, वीरू और बसंती जैसे किरदार निभा सकते हैं। लेकिन यह फिल्म अगले 50 साल तक चलेगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। उन्होंने कहा कि 'शोले' एक खास फिल्म है, जिसके संवाद लोग आज भी याद रखते हैं।

शोले को किया गॉडफादर से कंपेयर

हेमा ने आगे फिल्म शोले की तुलना गॉडफादर ने की और कहा, जैसे हॉलीवुड की फिल्म 'गॉडफादर' की सफलता को दोहराना मुश्किल है, वैसे ही 'शोले' की सफलता को दोहराना आसान नहीं। रीमेक की कहानी बन सकती है, लेकिन लोग इसे कितना पसंद करेंगे, यह समय बताएगा।

शोले जैसी फिल्म एक बार बनती है

हेमा ने आगे रामायण और महाभारत का उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ कहानियां बार-बार बनती हैं, लेकिन हर बार सफलता नहीं मिलती। उन्होंने कहा, शोले जैसी फिल्म सिर्फ एक बार बनती है। यह उस समय के माहौल और फिल्म की क्वालिटी पर निर्भर करता है।

शोले के सेट की याद में खोईं हेमा

फिल्म की शूटिंग को याद करते हुए हेमा ने बताया, हमने शोले को बाकी फिल्मों की तरह ही बनाया था। उस समय हमें नहीं पता था कि यह इतनी बड़ी फिल्म बनेगी। हम सभी उस समय अपने करियर की शुरुआत में थे। आज जब पीछे मुड़कर देखते हैं, तो उन दिनों की खूबसूरत यादें ताजा हो जाती हैं।

शोले की कहानी और सफलता

'शोले' 1975 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन रमेश सिप्पी ने किया था और कहानी सलीम-जावेद ने लिखी थी। फिल्म में वीरू (धर्मेंद्र) और जय (अमिताभ बच्चन) दो अपराधी हैं, जिन्हें एक पुलिस अधिकारी (संजीव कुमार) डाकू गब्बर सिंह (अमजद खान) को पकड़ने के लिए रखता है।

हेमा मालिनी ने बसंती और जया बच्चन ने राधा का किरदार निभाया था। इस फिल्म की शूटिंग कर्नाटक के रामनगर में ढाई साल तक चली। शुरुआत में इसे मिश्रित समीक्षाएं मिलीं, लेकिन बाद में यह बहुत बड़ी हिट साबित हुई।

मुंबई के मिनर्वा थिएटर में यह फिल्म पांच साल से ज्यादा चली। 'शोले' उस समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनी और यह रिकॉर्ड 1994 तक कायम रहा।

'मैंने बेवकूफी भरी बातें कीं..', बिपाशा बसु पर किए कमेंट के लिए मृणाल ठाकुर ने मांगी माफी

मृणाल ठाकुर अपने एक पुराने वीडियो को लेकर सुर्खियों में हैं। मृणाल इस वीडियो में कथित तौर पर अभिनेत्री बिपाशा बसु की बॉडी पर तंज कसती दिख रही हैं। वे खुद को बिपाशा से ज्यादा खूबसूरत बता रही हैं और कहती हैं कि बिपाशा के 'मैनली मसल्स' हैं। हाल ही में बिपाशा बसु ने एक क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए मृणाल को जवाब दिया। अब आज गुरुवार को मृणाल ने सफाई देते हुए माफी मांगी है।

मृणाल बोलीं- 'बहुत अफसोस है'

मृणाल ठाकुर ने आज गुरुवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने सफाई दी है कि उन्होंने इरादतन कोई बात नहीं कही थी। अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा है, '19 साल की उम्र में मैंने टीनएज में कई ऐसी बेवकूफी भरी बेतुकी बातें कही थीं। मुझे यह समझ नहीं थी कि आवाज में कितनी ताकत होती है

या महज मजाक में भी कहे गए शब्द कितना दुख पहुंचा सकते हैं। लेकिन ऐसा हुआ और इसके लिए मुझे बहुत अफसोस है'।

'सुंदरता हर रूप में होती है'

मृणाल ठाकुर ने आगे लिखा है, 'मेरा इरादा कभी किसी को बॉडी शेम करने का नहीं था। यह एक इंटरव्यू में मजाकिया अंदाज में कही गई बात थी। यह मजाक हद से ज्यादा बढ़ गया। मैं समझती हूं कि यह कैसे हुआ और काश मैंने अपने शब्द अलग तरह से चुने होते। समय के साथ, मैं यह समझने लगी हूं कि सुंदरता हर रूप में होती है और अब मैं इसी को सच में महत्व देती हूं'।

बिपाशा ने किया क्रिप्टिक पोस्ट

बता दें कि मृणाल ठाकुर के वायरल वीडियो के संदर्भ में बिपाशा बसु ने एक क्रिप्टिक पोस्ट बुधवार को शेयर किया था।

इसमें उन्होंने लिखा था, 'स्ट्रॉन्ग वुमन एक-दूसरे को ऊपर उठाती हैं। खूबसूरत महिलाओं, अपनी मसल्स को मजबूत करो। हमें मजबूत होना चाहिए।

मसल्स बॉडी आपको हमेशा के लिए अच्छी फिजिकल, मेंटल हेल्थ पाने में मदद करती हैं। इस पुरानी सोच को तोड़ो कि स्ट्रॉन्ग दिखना या फिजिकली फिट होना बहुत जरूरी है'।

जॉर्जिया एंड्रियानी बनेगी 'खास शो' का हिस्सा

अशनीर ग्रोवर द्वारा होस्ट किया जाने वाला रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' का भारत संस्करण ब्रिटेन के इसी नाम के शो के फॉर्मेट पर आधारित है, जहां प्रतिभागी दो मंजिला घर में प्रतिस्पर्धा करते हैं- टॉप परफॉर्मर्स को ऊपरी मंजिल पर प्रमोट किया जाता है, जहां उन्हें लग्जरी सुविधाएं मिलती हैं। वर्ष की शुरुआत में इसका प्रोमो रिलीज किया जा चुका है और रिपोर्ट्स के अनुसार, यह शो वर्ष के अंत तक फ्लोर पर जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, इंडो-इटैलियन अभिनेत्री और मॉडल जॉर्जिया एंड्रियानी को इस शो के 16 प्रतियोगियों की सूची में शामिल करने के लिए संपर्क किया गया है। अपनी प्रभावशाली स्क्रीन प्रैजैंस और बहु- सांस्कृतिक बैकग्राऊंड के लिए जानी जाने वाली जॉर्जिया शो में एक अलग अंतर्राष्ट्रीय रंग भर सकती है। इटली से भारत तक का उसका सफर और भारतीय मनोरंजन जगत में उसकी मौजूदगी दर्शाती है कि उसमें इस खास रियलिटी शो के लिए आवश्यक समझ और अनुकूलन क्षमता मौजूद है।

बता दें कि उसका बॉलीवुड डेब्यू एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'गेस्ट इन लंदन' से हुआ था जिसमें उसने एक छोटी भूमिका बावजूद अमिट छाप छोड़ी।

डेब्यू फिल्म में अदा किया था नेगेटिव रोल, आज भी सबके दिलों में राज करते है रजनीकांत

फिल्मी दुनिया में 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विशेष

सुपरस्टार रजनीकांत के लिए इस वक्त डबल खुशी का मौका है। उनकी फिल्म 'कुली' कल गुरुवार 14 अगस्त को रिलीज हुई और ओपनिंग डे पर ही इसने 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। दूसरी तरफ आज 15 अगस्त को 'थलाइवा' ने सिनेमा की दुनिया में 50 साल का सफर पूरा किया है। अभिनेता के करियर के इस स्वर्णिम अवसर पर जानते हैं उनकी जिंदगी और करियर से जुड़ी बातें

ऑफिस बॉय, कुली और कंडक्टर के रूप में किया काम

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत का जन्म 12 दिसंबर 1950 को एक मराठी परिवार में हुआ था। उनके पिता पुलिस हेड कांस्टेबल थे। फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले रजनी का नाम शिवाजी राव गायकवाड़ था। रजनी जब महज चार वर्ष के थे तब उनके सिर से मां का साया हट गया। घर की आर्थिक स्थिति खराब थी। शुरुआती दौर में रजनीकांत ने कुली और कंडक्टर के रूप में काम किया है। उन्होंने ऑफिस बॉय के रूप में भी नौकरी की। हालांकि, यह सब काम करते हुए भी वे बड़ा आदमी बनने का सपना देखा करते। अभिनेता बनने के ख्वाब बुना करते थे।

अपनी जिंदगी खत्म करने का आया था ख्याल

रजनीकांत ने गरीबी देखी है, संघर्ष किया है, मगर एक ऐसा दौर भी देखा जब वे निराश हो चुके थे। एक इवेंट में अभिनेता ने यह खुलासा किया कि उनके अंदर हमेशा से अमीर बनने की एक ललक थी, जिसकी वजह से वे किसी भी चीज से नहीं डरे। मगर, इतने पक्के इरादे के बावजूद उनकी जिंदगी में एक ऐसा पल भी आया, जब वे इतना निराश हो गए। एक इंटरव्यू में रजनीकांत ने कहा था, 'गरीबी के कारण मैंने कभी ऑफिस ब्वॉय का काम किया तो कभी लोगों का कुली बनकर सामान ढोया। मैं बाद में बढ़ई की नौकरी करने लगा। गरीबी क्या होती है यह मैं अच्छी तरह जानता हूं। गरीबी झेलते हुए एक समय मेरी जिंदगी में ऐसा भी आया, जब मैं इतना डर गया था या कि मेरे मन में खुद को खत्म करने का ख्याल भी आया था'।

अनोखे अंदाज में काटा करते थे टिकट

रजनीकांत को अभिनय का जुनून इस कदर था कि वे जब कंडक्टर थे तो बस में अनोखे अंदाज से टिकट काटा करते थे। इस अनोखे अंदाज के चलते भी वे ड्राइवर-कंडक्टर्स के बीच काफी लोकप्रिय हुए। रजनीकांत के अभिनेता बनने के सफल में उनके दोस्त राजबहादुर ने खूब मदद की। राज बहादुर ने ही रजनीकांत को मद्रास फिल्म इंस्टीट्यूट में एडमिशन के लिए प्रेरित किया। हालांकि, एक्टिंग कोर्स में एडमिशन उनके लिए आसान नहीं था, मगर रजनीकांत के अन्य दोस्तों ने भी मदद की। एक्टिंग सीखने के दौरान ही अभिनेता ने तमिल भाषा सीखी। इसी दौरान उनकी मुलाकात निर्देशक के बालचंदर से हुई, जिन्होंने अभिनेता को ब्रेक दिया।

सिनेमा के गुरु ने दिया रजनीकांत नाम

मशहूर तमिल निर्देशक के बालचंदर ने शिवाजी राव गायकवाड़ का नाम बदलकर रजनीकांत रखा। रजनीकांत ने जब इंडस्ट्री में अपना सफर शुरू किया उस दौर में तमिल इंडस्ट्री में शिवाजी गणेशन काफी लोकप्रिय थे। दोनों के नाम में कंफ्यूजन न हो इसलिए के बालचंदर ने शिवाजीराव गायकवाड़ को 'रजनीकांत' नाम दिया। बता दें कि रजनीकांत की डेब्यू फिल्म 'अपूर्व रागंगल' का निर्देशन दिवंगत के बालचंदर ने ही किया। इन्हें रजनीकांत अपना गुरु मानते थे।

पहली फिल्म में निभाया नेगेटिव रोल

रजनीकांत की डेब्यू फिल्म 'अपूर्व रागंगल' 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई। उस वक्त रजनीकांत की उम्र 25 वर्ष थी। डेब्यू फिल्म में वे एक छोटी सी निगेटिव भूमिका में दिखाई दिए। कुछ वक्त तक इसी तरह के रोल किए। इसके बाद उनके पास लीड रोल का ऑफर आना शुरू हो गया और देखते ही देखते वे इस कदर सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए कि आज फैंस उन्हें भगवान का दर्जा देते हैं। फिल्मी दुनिया में रजनीकांत का क्या कद है, यह दुनिया जानती है।

पहली बॉलीवुड फिल्म में बिग बी के साथ किया काम

दक्षिण सिनेमा में करियर शुरू करने के करीब आठ साल बाद रजनीकांत ने बॉलीवुड का रुख किया। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'अंधा कानून' थी। साल 1983 में रिलीज हुई इस फिल्म में रजनीकांत ने हेमा मालिनी, अमिताभ बच्चन, प्राण, अमरीश पुरी और डैनी डेंगजोंग्पा जैसे कलाकारों के साथ काम किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त रही। इसने बजट से करीब चार गुना अधिक कारोबार किया है।

शोहरत में अमिताभ बच्चन का बड़ा हाथ

रजनीकांत की शोहरत में अमिताभ बच्चन की फिल्मों का बड़ा हाथ रहा है। अमिताभ बच्चन की एक दर्जन से ज्यादा हिट फिल्मों की रीमेक में रजनीकांत ने काम किया है और इसी के चलते दोनों का रिश्ता भी बहुत करीब का बना रहा है। रजनीकांत ने कई मौकों पर ये माना भी कि बिग बी की जिन फिल्मों के रीमेक में वह हीरो बने, उन्होंने ही उन्हें स्टारडम दिलाया।

10 वर्षों में 100 फिल्में कर बनाया रिकॉर्ड

रजनीकांत के करियर की गाड़ी चल पड़ी तो उनके पास फिल्मों के भी खूब ऑफर आने लगे। इस बात का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि अपने करियर के 10 वर्षों में उन्होंने 100 फिल्में पूरी कर डालीं। अभिनेता की 100वीं फिल्म 'श्री राघवेंद्र' थी, जिसमें उन्होंने हिंदू संत राघवेंद्र स्वामी का किरदार अदा किया।

फिल्म फ्लॉप होने पर लौटा देते हैं फीस

अभिनेता रजनीकांत की फिल्मों को दर्शक भरपूर प्यार देत हैं। मगर, सुपरस्टार के बारे में ऐसा कहा जाता है कि उनकी फिल्में अगर नहीं चल पातीं या फ्लॉप हो जाएं तो वे बिना किसी हिचकिचाहट के तुरंत डिस्ट्रीब्यूटर्स का पैसा वापस कर देते हैं। फिल्म '2.0' के एक इवेंट के दौरान अक्षय कुमार ने भी इसका जिक्र किया था। खिलाड़ी भी रजनीकांत की इस अदा के मुरीद हैं।

निम्मी से हुआ था थलाइवा को प्यार

फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले रजनीकांत एक बस कंडक्टर थे। इसी दौरान उन्हें एक लड़की से प्यार हुआ था, जिसका नाम निम्मी था। रजनीकांत ने अपनी बायोग्राफी 'द नेम इज रजनीकांत' में इस किस्से का जिक्र किया है। थलाइवा जिस लड़की को दिल दे बैठे थे उसका नाम निर्मला था। रजनीकांत उसे प्यार से निम्मी बुलाते थे। रजनीकांत आज जो भी हैं, वो निम्मी की वजह से ही हैं। निर्मला MBBS की स्टूडेंट थीं। रजनीकांत अक्सर उनसे मिलते थे। निम्मी ने ही रजनीकांत को अभिनय कोर्स करने के लिए पैसे दिए थे, ताकि वे अपना करियर बना सकें। रजनीकांत, निम्मी के साथ शादी के सपने देखने लगे थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

रजनीकांत की नेटवर्थ

रजनीकांत ने बड़ा आदमी बनने का जो सपना देखा था वह अपनी मेहनत और लगन के दम पर पूरा किया। न सिर्फ शोहरत, बल्कि दौलत के मामले में भी अभिनेता बहुत आगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रजनीकांत की नेटवर्थ 500 करोड़ रुपये है।

दिलचस्प है पत्नी लता के साथ लव स्टोरी

अभिनेता की निजी जिंदगी का बात करें तो उन्होंने साल 1981 में लता रजनीकांत से शादी रचाई। इनकी लव स्टोरी काफी दिलचस्प है। रजनीकांत पहली नजर में ही लता को दिल दे बैठे थे। दरअसल, लता एक मैगजीन के लिए इंटरव्यू लेने के लिए रजनीकांत से मिली थीं, फिर मुलाकातों का सिलसिला चल पड़ा। प्यार हुआ और फिर दोनों ने जिंदगीभर के लिए एक-दूजे का हाथ थाम लिया। कपल की दो बेटियां- ऐश्वर्या और सौंदर्या हैं।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर बदमाश गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

नोएडा (चेतना मंच)। थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा जलपुरा बिजली घर के पास चेकिंग की जा रही

थी, तभी सामने से आ रही मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति को पुलिस टीम द्वारा रूकने का इशारा किया गया जिसपर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति द्वारा रूकने के बजाय मोटरसाइकिल को तेजी से चलाते हुए बिजलीघर, जलपुरा से बाएं कच्चे रास्ते पर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर उपरोक्त व्यक्ति की मोटरसाइकिल आगे जाकर फिसलकर गिर गयी जिसपर उसके द्वारा भागने के प्रयास के क्रम में पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्रवाई में उपरोक्त व्यक्ति गोली लगने से घायल हो गया। घायल अभियुक्त की पहचान सोनू पुत्र तुलाराम निवासी ग्राम ईदल पुर, थाना डिबाई, जिला बुलन्दशहर उम्र करीब 38 वर्ष के रूप में हुयी है। अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा .315 बोर मय 01 खोखा व 07 जिंदा कारतूस .315 बोर व एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुयी है। अभियुक्त द्वारा बताया गया कि यह मोटरसाइकिल उसके द्वारा जनपद अलीगढ़ से चुरायी गयी थी। अभियुक्त के मोबाइल फोन को चेक करने पर उसमें अभियुक्त की महिलाओं के साथ अश्लील तस्वीर मिली, जिसके संबंध में अभियुक्त द्वारा बताया गयी कि वह इन तस्वीर को वायरल करने की धमकी देकर महिलाओं का शोषण करता है। घायल अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल भेजा जा रहा है। अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है व अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का लोकार्पण

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और दुनिया के सामने सबसे बशी चिंता जीवसृष्टि और मानव सभ्यता को बचाने की है। जीवसृष्टि और मानव सभ्यता को बचाना है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप हमें नेट जीरो की तरफ बढ़ना होगा, कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम करना होगा।

सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के खानिमपुर में टोरेंट समूह के ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। टोरेंट गैस और टोरेंट पॉवर द्वारा स्थापित यह ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट उत्तर प्रदेश का पहला और पूरे देश का दूसरा प्लांट है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा और बीमारियों से बचाव में ग्रीन एनर्जी की बड़ी भूमिका होने जा रही है। कहा कि ऊर्जा क्षेत्र एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में हरित ऊर्जा तथा विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए यह प्लांट बड़ी भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्थापित यह प्लांट प्रदूषण से मुक्त उर्जा प्राप्ति की दिशा में एक नया प्रयास है। उन्होंने कहा कि यहां टोरेंट ग्रुप का एक प्लांट पहले सीएनजी का है। अब यहां पर ग्रीन हाइड्रोजन का प्लांट लगाया गया है। अब यहां ग्रीन हाइड्रोजन और सीएनजी-पीएनजी की ब्लेंडिंग होगी। इसके बाद इसे घर घर रसोई गैस के रूप में पहुंचाया जायेगा। सीएम ने कहा कि उम्मीद है कि ग्रीन एनर्जी के उत्पादन के साथ यह नवाचार का केंद्र होगा और लोगों के जीवन को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।

रालोद ने चलाया सदस्यता अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोकदल नोएडा विधानसभा के अध्यक्ष बी0 एल0 अग्रवाल के नेतृत्व में नोएडा जे जे कालोनी में सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज चौधरी उपस्थित रहे।

पूरी टीम ने जे जे कालोनी के घर घर में जाकर लोगों को सदस्यता अभियान के प्रति जागरूक किया। जिसके फलस्वरूप सैकड़ों नए कार्यकर्ता रालोद से जुड़े एवं रालोद की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर बी0 एल0 अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की राष्ट्रीय लोकदल गरीब, किसान एवं मज़दूर की पार्टी है। सदस्यता अभियान में समाज के पिछड़े से पिछड़े और निर्धन से निर्धन व्यक्ति तक भी पार्टी यह अभियान ले जाना चाहती है ताकि गरीब और उपेक्षित युवा भी रालोद से जुड़ कर सामाजिक न्याय प्राप्त कर सके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नोएडा महानगर अध्यक्ष विजेंद्र यादव ने की। इस अवसर पर युवा महानगर अध्यक्ष एडवोकेट गौरव आजाद, महानगर किसान मोर्चा के अध्यक्ष सोवेन्द्र अवाना एवं विधानसभा महासचिव डा0 एम दीक्षित एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री साई मंदिर में मनाया गया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 40 स्थित श्री साई मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को फूलों और फलों से सुंदरता पूर्वक सजाया गया। पूजा-अर्चना के पश्चात साई विद्या निकेतन विद्यालय के बच्चों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक लीलाओं का मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित भक्तों ने बड़े भाव से देखा और सराहा। कार्यक्रम के संयोजक समिति के कोषाध्यक्ष ब्रिज लाल गर्ग रहे।

साई भजन मंडली द्वारा भक्तिमय भजनों की संगीतमय प्रस्तुति दी गई, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। ठीक रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया, आरती संपन्न हुई और मिश्री-माखन एवं फलों का प्रसाद वितरित किया गया।

भक्तों की भारी भीड़ ने पूरे कार्यक्रम को भक्ति और उल्लास से सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर श्री साईं समिति के महासचिव देव राज गोयल, सह सचिव श्रीमती रेनू फोतेदार, सदस्य सुनील भान, विद्यालय प्रभारी ए.एम. त्रिपाठी, श्रीमती विनीता सक्सेना, विद्यालय की प्रधानाचार्या एवं शिक्षिकाएं विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

सेक्टर-12 के वाई ब्लॉक स्थित लाल मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। यहां पर सेक्टर-12 तथा 11 के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर अभिषेक किया। इसके बाद रात में भजन-कीर्तन तथा प्रसाद वितरण किया गया।

लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में मनाया जन्माष्टमी उत्सव

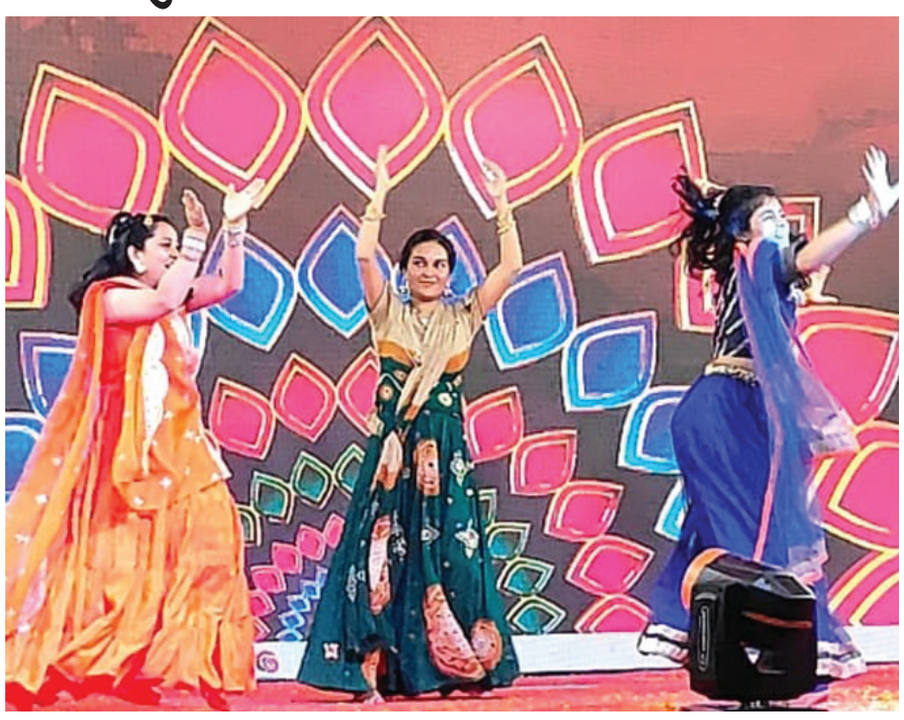

नोएडा (चेतना मंच)। लोट्स बुलेवर्ड सोसाइटी परिसर में जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर समिति के ब्रज एवं उनकी टीम ने पूरे समर्पण के साथ कार्यक्रम की व्यवस्था की। कार्यक्रम में दही-हांडी प्रतियोगिता का आयोजन विशेष आकर्षण रहा। बच्चों और महिलाओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इसमें अजिता ग्रुप ,निधि बावा ग्रुप, उत्तरा गुप्ता ग्रुप ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर सोसाइटी की एओए के सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

गौर स्पोर्ट्सवुड सोसाइटी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर भव्य आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर 79 स्थित गौर स्पोर्ट्स वुड सोसाइटी में श्री राधा कृष्ण भक्त मंडल (सेवा) कमेटी के सौजन्य से भगवान श्रीकृष्ण का पावन जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। फूलों की भव्य झांकी राधा-कृष्ण की दिव्य आकर्षण का केंद्र रही। सोसाइटी के बच्चों ने बाल गोपाल वेशभूषा मे नृत्य किया महिलाओ ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी।

प्रसिद्ध गायक नरेंद्र चंदर एवं टीम द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। श्रीकृष्ण जन्म के उपरांत महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम में भाकियू गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी को भी आमंत्रित किया गया। आयोजन समिति द्वारा गायक नरेंद्र चन्दर और जिलाध्यक्ष अशोक भाटी को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम मे सोसाइटी निवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया ।

कार्यक्रम में मनोज त्यागी, तनुज गर्ग, धर्मेंद्र सिंह, राज सिंह, विवेक गर्ग, आशीष गोविंद, प्रदीप अग्रवाल, प्रभात कुमार मित्तल, चंद्र शेखर तिवारी, सिद्धार्थ गोयल, गौरव चड्ढा, आर सी भारद्वाज, प्रभात गुप्ता, प्रतीक जोशी, संजय जोशी, राजेश भाटिया सहित अन्य लोग मौजूद थे।

लक्ष्मीनारायण मंदिर में धूमधाम से मना जन्माष्टमी समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। लक्ष्मीनारायण मंदिर, सेक्टर -56, में जन्माष्टमी की अदभुत रंग

बिरंगी रोशनी की सजावट के मध्य %कृष्ण जन्म% का कार्यक्रम बहुत घूम धाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत 15 अगस्त से बच्चों के मनमोहक नृत्य कार्यक्रम, भजन संध्या, लड्डूगोपाल का मध्य- रात्रि में अभिषेक,व भक्तों के लिए विशेष भोजन प्रसाद, से ही आरंभ हो गई थी।

अतिथियों में डॉ महेश शर्मा सांसद व पूर्व मंत्री, पंकज सिंह विधान सभा सदस्य उत्तर प्रदेश, कैप्टन विकास गुप्ता दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश भाजपा, महेश चौहान भाजापा महानगर अध्यक्ष, नबाब सिंह नागर पूर्व मंत्री, योगेन्द्र शर्मा अध्यक्ष फोनरवा ,दीपक विज चेयरमैन पंजाबी विकास मंच और मंदिर समिति के चेयरमैन डा डी के मोदी आदि ने बालगोपाल के दर्शन कर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। डॉक्टर महेश शर्मा ने भक्तों की पंक्ति एवं मन्दिर व्यवस्था की भूरि भूरि प्रसंशा की।

इस अवसर पर मंदिर की प्रबंध समिति के प्रधान आर एन गुप्ता, महासचिव ओ पी गोयल, कोषाध्यक्ष जी के बंसल, मैनेजिंग ट्रस्टी जे एम सेठ, आर के भट्ट, एके गुप्ता, हरीश सभरवाल, इंदर पाल खंडपुर, संजीव बांधा, अंबेश भांबरी, पंजाबी विकास मंच के अध्यक्ष दीपक विग, आरडबल्यूए-56 के अध्यक्ष संजय मावी, पूर्व अध्यक्ष मोहन सिंह और संजीव पुरी व आरडब्लूए के अन्य पदाधिकारी,बाल गोपाल की सखियाँ (मंदिर महिला मंडल) मंजु सेठ, मधु भट्ट ,वंदना बंसल, मीनू खाँडपुर, सीता सभरवाल, उर्मिलगुप्ता, किरण सेठ, आशा शर्मा, इंदु अग्रवाल, मिसेज़ बंसल,पांडे, कुंडू, रेखा, सरोज, कामिनी आदि ,सभी ने भक्तों का अत्यंत उत्साह से स्वागत किया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com